हमें हमेशा सही काम ही करना चाहिए। हो सकता है हमारे बस में ये न हो कि फल क्या मिलेगा, लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि हम सही काम करना ही छोड़ दें।
- महात्मा गांधी

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-187 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 03 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देशभर में बढ़ेगा बारिश का दौर, उत्तराखंड-हिमाचल में अचानक बाढ़ का खतरा

-मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का जताया अनुमान, आंधी-बिजली को लेकर भी चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में देश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुछ हिस्सों में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण मध्य, उत्तरी और पूर्वी भारत में व्यापक बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार गंगा के मैदानी इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र पहले पश्चिमी झारखंड और उसके बाद दक्षिणी उत्तर प्रदेश तथा उत्तरी मध्य प्रदेश की ओर बढ़ सकता है। इस मौसम तंत्र और संबंधित वायुमंडलीय परिसंचरण के प्रभाव से अगले कुछ दिनों में मध्य, उत्तरी और पूर्वी भारत के

कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड में 2 से 8 सितंबर के बीच व्यापक बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि 2 सितंबर को कुछ क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

हिमाचल प्रदेश में 2 और 3 सितंबर को भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 6 से 8 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने हिमालयी जिलों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों तथा अन्य स्थानों के लिए अचानक बाढ़ के कम से मध्यम जोखिम की चेतावनी जारी की गई है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, नैनीताल, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी को जोखिम वाले क्षेत्रों में शामिल किया गया है। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर, शिमला, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा और चंबा में भी अचानक बाढ़ का खतरा बताया गया है। निचले इलाकों में पानी के तेज बहाव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तिरुवनंतपुरम में, एसएफआई की केरल यूनिवर्सिटी मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में एसएफआई तिरुवनंतपुरम ज़िला समिति द्वारा आयोजित सचिवालय मार्च के दौरान एसएफआई कार्यकर्ताओं को वॉटर कैनन का सामना करना पड़ा।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे सोनू सूद, राहत-सामग्री के साथ दिया आश्वासन

नईदिल्ली/काठमाण्डू, (आरएनएस)। नेपाल में आई भयानक बाढ़ से मची तबाही के बाद लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। इस मुश्किल घड़ी में सोनू सूद मसीहा बनकर उनकी मदद के लिए आगे आए और प्रभावित इलाकों को राहत सामग्री मुहैया करवा रहे हैं। अभिनेता अपनी सूद चैरिटी फाउंडेशन के तहत टीम के साथ वहां पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्हें खाने-पीने सहित अन्य जरूरी सामान दिए और उनकी समस्या को समझने की कोशिश की। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि वह नेपाल की मदद करने कुछ दिनों के लिए नहीं आए हैं, बल्कि आने वाले महीनों में भी जरूरतमंदों लोगों की सहायता करने की कोशिश जारी रखेंगे।उन्होंने कहा कि वह और उनकी टीम बाढ़ प्रभावित लोगों से बात करके यह समझने की कोशिश कर रही है कि उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत है। उनकी कोशिश है कि बाढ़ में अपना सबकुछ खोने वाले लोगों की जिंदगी को दोबारा पटरी पर लाया जाए।

पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा राम मंदिर के सीईओ नियुक्त किए गए, 3 ट्रस्टियों का भी ऐलान

अयोध्या, (आरएनएस)। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मिल गया है। पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने मंदिर का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। न्यास की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनने के बाद नियुक्ति की औपचारिक घोषणा की गई।

जीतेंद्र मिश्रा मूल रूप से देवरिया के रहने वाले हैं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पश्चिमी वायु कमान की जिम्मेदारी संभाली थी। वह एकीकृत रक्षा स्टाफ (संचालन) के उप प्रमुख के पद पर भी रह चुके हैं। इससे पहले उन्होंने एकीकृत रक्षा स्टाफ में संगठन एवं प्रशिक्षण के उप प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली थी। मिश्रा खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने वायु सेना परीक्षण पायलट विद्यालय, एयर कमांड एवं स्टाफ कॉलेज, अलबामा तथा रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज से भी शिक्षा प्राप्त की है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास में तीन नए न्यासी भी शामिल किए गए हैं।

नेपाल बाढ़: अब तक 1,127 मौतें, 4,800 लापता

काठमाण्डू, (आरएनएस)। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई, जबकि 4,858 लोग अभी भी लापता हैं। बचाव अभियान का आज 8वां दिन है। नेपाल पुलिस ने बताया कि जीवित बचे लोगों का पता लगाने और शवों को निकालने के लिए बचावकर्मी तेजी से काम कर रहे हैं। लापता लोगों में करीब 500 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। वहीं, सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।

नेपाल पुलिस के अनुसार, चितवन से 348, पूर्वी नवलपरासी से 217, पश्चिमी नवलपरासी से 190, नुवाकोट से 155, गोरखा से 66, धडिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहु से 38 शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 95 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अब तक 6,541 लोगों को बचाया गया है, जबकि 4,858 लापता हैं।

नेपाल में लापता लोगों में 583 विदेशी नागरिक शामिल हैं, जबकि चीन में 23 देशों के 261 विदेशी नागरिक लापता हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि लापता विदेशियों में भारतीयों का समूह सबसे बड़ा है, जिनमें 275 भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के 128 अन्य लोग लापता हैं।वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि 85 अमेरिकी नागरिक भी लापता हैं। इसके अलावा 62 यूक्रेनी, 51 मलेशियाई, 42 ऑस्ट्रेलियाई और 33 ब्रिटिश नागरिक भी लापता हैं।

दिशा सालियान मौत मामला : बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच, पिता का बयान दर्ज करने का आदेश

मुंबई ,(आरएनएस)। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है। करीब छह साल पुराने इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब बड़ा फैसला सुनाते हुए जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही दिशा के पिता सतीश सालियान का बयान दर्ज करने को भी कहा गया है।

दरअसल, दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी बेटी की मौत की नए सिरे से जांच की मांग की थी। उनकी मांग थी कि मामले में एफआईआर दर्ज की जाए और जांच सीबीआई को सौंपी जाए। उनका आरोप है कि दिशा की मौत सामान्य तरीके से नहीं हुई थी और मामले की पहले हुई जांच में कई सवालों का सही जवाब नहीं मिला। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अब सीबीआई को जांच करने का आदेश दिया है।

एडवोकेट नीलेश ओझा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, कोर्ट के आदेश के मुताबिक अब सीबीआई इस मामले में एफआईआर दर्ज करेगी और जांच आगे बढ़ाएगी। इसके लिए सीनियर अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। दिशा के पिता का बयान भी दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा पहले की जांच से जुड़े रिकॉर्ड भी सीबीआई को सौंपे जाएंगे, ताकि एजेंसी मामले की शुरुआत से जांच कर सके।उन्होंने आगे कहा, कोर्ट ने साफ कर दिया है कि जिसके भी खिलाफ सबूत मिले, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, बिना सबूत के किसी भी व्यक्ति को आरोपी नहीं बनाया जाना चाहिए। अगर सीबीआई क्लोजर रिपोर्ट फाइल करती है, तो हमें आपत्ति करने और प्रोटेस्ट पिटीशन फाल करने का अधिकार होगा। हमें पूरा विश्वास है कि सच की जीत होगी।वहीं दिशा के पिता सतीश सालियान ने मीडिया से बात करते हुए कहा, इस फैसले का मुझे 6 साल से इंतजार था। मैं अपनी बेटी को खो चुका हूं। मुझे विश्वास है सीबीआई गहराई से इस मामले में जांच करेगी। सीबीआई जांच के आदेश मिलने पर मैंने कोर्ट के जज को इसका शुक्रिया अदा भी किया।पूरे मामले की बात करें तो दिशा सालियान की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक इमारत से गिरने के बाद हुई थी।

यमुना में सैन्य अभ्यास के दौरान नाव पलटी, दो जवान लापता

यमुनानगर (आरएनएस)। हरियाणा के यमुनानगर जिले में हथिनीकुंड के पास मंगलवार शाम सैन्य अभ्यास के दौरान एक नाव यमुना नदी में पलट गई। हादसे के बाद पांच जवान नदी में गिर गए, जिनमें से तीन को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि दो जवान अभी भी लापता हैं। लापता जवानों की तलाश के लिए रातभर व्यापक खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया।

घटना के समय वन पैरा विशेष बल के पांच जवान संयुक्त जल कौशल प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे थे। सेना के अधिकारियों के अनुसार, अब तक तीन जवानों को बचाया जा चुका है। लापता दो जवानों की तलाश लगातार जारी है। नदी के आसपास के क्षेत्रों में रातभर हेलीकॉप्टर से निगरानी भी की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सैन्य अभ्यास के दौरान जवानों ने चिनूक हेलीकॉप्टर से यमुना में खड़ी एक नाव पर छलांग लगाई थी। इसी दौरान नाव अचानक असंतुलित होकर डगमगाने लगी और नदी में डूब गई।

ग्लेशियर टूटने से आ सकता है तबाही का सैलाब, खतरे में कोलकाता व मुंबई

-यूएन की रिपोर्ट में 1.4 करोड़ लोगों का वजूद मिटने का खतरा

कोलकाता, (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र की महासचिव की हालिया वैश्विक रिपोर्ट ने समुद्र के बढ़ते जलस्तर को लेकर भारत के दो सबसे बड़े तटीय महानगरों मुंबई और कोलकाता के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। जो कि बेहद डरावना है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की। उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

तमिलनाडु के 52 प्रमुख मंदिरों में मोबाइल प्रतिबंध लागू, बिना कैमरे वाला फोन ले जा सकेंगे

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु की सरकार ने राज्य भर के प्रमुख मंदिरों के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो मंगलवार से लागू हो गया है। तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने राज्य के 52 मंदिरों पर यह प्रतिबंध लागू किया है। हालांकि, बिना कैमरे वाले साधारण मोबाइल फोन मंदिरों के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। सरकार ने विधानसभा में बताया कि यह प्रतिबंध 1 सितंबर से प्रमुख मंदिरों में लागू होगा।तमिलनाडु सरकार ने यह प्रतिबंध मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व निर्देशों के अनुरूप जारी किया है।

कोर्ट की मदुरै पीठ ने 2 दिसंबर, 2022 को तिरुचेंदूर में स्थित अरुलमिगु सुब्रमणिया स्वामी मंदिर के अंदर मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था। तमिलनाडु सरकार ने पाया कि युवा श्रद्धालु मंदिर परिसर के अंदर रीलें बना रहे थे और तस्वीरें खींच रहे थे, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। धर्मार्थ मंत्री रमेश ने बताया कि मंदिरों के अंदर रील बनाने के मामले बढ़ रहे थे, जिसे देखते हुए इसे लागू किया गया है। पलानी, तिरुचेंदूर, मदुरै और रामेश्वरम मंदिरों में मोबाइल फोन पहले से प्रतिबंधित हैं।

उन्होंने बताया कि मंदिर के प्रवेश द्वारों पर भक्तों के मोबाइल फोन रखने के लिए समर्पित काउंटर स्थापित किए गए हैं। प्रति फोन 5 रुपये का एक समान टोकन शुल्क लिया जाएगा।

देश की शीर्ष एयरलाइंस में मिलीं गंभीर खामियां, डीजीसीए के ऑडिट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश की प्रमुख एयरलाइंस इंडिगो, एयर इंडिया, अकासा एयर और स्पाइसजेट के सुरक्षा ऑडिट के दौरान नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को कई गंभीर खामियां मिली हैं। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा जांच के दौरान सामने आए इन गंभीर निष्कर्षों पर संबंधित एयरलाइंस से जवाब मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियामक की ओर से कार्रवाई की जा सकती है।

जांच से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि ऑडिट में मिली कमियों और खामियों का विस्तृत विवरण फिलहाल सामने नहीं आया है, लेकिन प्रमुख एयरलाइंस के संचालन में गंभीर खामियां पाई गई हैं। संबंधित कंपनियों से डीजीसीए को जवाब देने की अपेक्षा की गई है और उनके जवाबों की समीक्षा के बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन ने डीजीसीए की रिपोर्ट पर अपना जवाब दे दिया है। हालांकि, अधिकारी ने ऑडिट में सामने आई खामियों के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं, स्पाइसजेट और अकासा एयर के प्रवक्ताओं ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि डीजीसीए की ओर से एयरलाइन के कुछ निरीक्षण किए गए हैं। एयरलाइन इन निरीक्षणों से अवगत है और औपचारिक ऑडिट की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रही है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) की टीम 16 से 20 सितंबर के बीच भारत का दौरा करने वाली है। टीम भारत के नागरिक विमानन नियामक डीजीसीए की कार्यप्रणाली और अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा करेगी।दौरे के दौरान एफएए की टीम मरम्मत केंद्रों, नौवहन व्यवस्था और विमानन से जुड़े बुनियादी ढांचे का निरीक्षण कर सकती है। एफएए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विमानन सुरक्षा मानकों के निर्धारण और हवाई यातायात की सुरक्षा संबंधी निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आंध्र प्रदेश में मलेरिया की दवा खाने के बाद आदिवासी बच्ची की मौत, 70 बीमार पड़े

पोलावरम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश में मलेरिया रोकथाम अभियान के दौरान बांटी गई मलेरिया रोधी गोली (क्लोरोक्वीन) खाने से एक 7 वर्षीय आदिवासी बच्ची की मौत हो गई है। घटना पोलावरम जिले के गोल्लागुप्पा गांव में की है। यहां बच्चों समेत कम से कम 70 लोग बीमार पड़ गए हैं, जिसमें कई अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना की समीक्षा करते हुए मामले के व्यापक जांच के आदेश दिए और प्रभावित लोगों का उपचार सुनिश्चित करने को कहा है।

आदिवासी गांव गोल्लागुप्पा में मलेरिया की रोकथाम के लिए गौरीदेवीपेटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने 1 सितंबर को चिकित्सा शिविर लगाया था।

इस दौरान, ग्रामीणों के रक्त परीक्षण किए गए, जिसमें कुछ में मलेरिया की पुष्टि हुई। इसके बाद 27 छात्रों, आंगनवाड़ी के 14 बच्चों और अन्य ग्रामीणों को क्लोरोक्वीन दी गई।

गोली खाने के बाद जीपीएस स्कूल की कक्षा 2 की छात्रा मादिवी जमुना को उल्टी और पेट में जलन हुई।

K K

राजधानी समाचार

गुरुवार 03 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से आरंभ होगा सेवा-संकल्प अभियान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों संबंधी ली बैठक

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता के नहीं बल्कि निरंतर सेवा और राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष हैं। सात अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह संवैधानिक यात्रा आज एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंची है। गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक उन्होंने जन सेवा को अपना ध्येय माना और आज भी संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के विकास और लोकतंत्र को सशक्त करने में अविस्मरणीय योगदान दिया है। इस गौरवपूर्ण यात्रा को जन-जन तक पंहुचाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, एक माह तक सेवा-संकल्प अभियान चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता सेवा का संस्कार है। यही संस्कार आज सेवा-संकल्प अभियान के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्ष के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों को हम जनता के बीच ले जाएंगे। इस अभियान से जनकल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अभियान को जन सहभागिता से जन संवाद का माध्यम बनाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा-संकल्प अभियान के संबंध में मंत्रालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ. कविता पाटीदार, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिलों की विकास पुस्तिकाएं जन-जन तक पहुंचाना किया जाए सुनिश्चित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जारी जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को सेवा-संकल्प अभियान में सम्मिलित करते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सेवा-संकल्प अभियान की अवधि में आने वाले प्रत्येक शुक्रवार को सभी जिलों में जनकल्याण और जन संवाद की विशेष गतिविधियां संचालित की जाएं। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के नवाचारों को प्रमुख रूप से प्रदर्शित और प्रोत्साहित किया जाए। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में संकलित विकास पुस्तिकाएं जन-जन तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी मंत्री अपने-अपने विभाग और प्रभार के जिलों में इस अभियान की नियमित समीक्षा करें। हर जिले में तिथिवार कार्य योजना तय की जाए। जिन कार्यक्रमों में लाभार्थी संपर्क में है, वहां शासन द्वारा योजनावार लाभार्थी सूची संबंधित को उपलब्ध कराई जाए। जिला स्तर पर विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। मध्यप्रदेश इस अभियान में ऐसा मॉडल प्रस्तुत करे, जिसे देश में सुशासन, सेवा और जन सहभागिता के उदाहरण के रूप में देखा जाए।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की।

RGPV से राजीव गांधी का नाम हटाने पर भड़की कांग्रेस

कमलनाथ बोले- नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलेगा...उमंग ने कहा- ये महान नेताओं के खिलाफ साजिश

भोपाल (आरएनएस)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने और उसका नाम बदलने के फैसले को लेकर मध्य प्रदेश में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को मिटाने की कोशिश बताया है।पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि RGPV के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार की 'ओछी मानसिकता' का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल में देश ने आधुनिक तकनीक की दुनिया में प्रवेश किया और सूचना क्रांति व कंप्यूटर युग की शुरुआत हुई। कमलनाथ ने भाजपा पर कांग्रेस सरकार के समय किए गए कार्यों की सिर्फ नाम पट्टिकाएं बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से राजीव गांधी का नाम नहीं हटाया जाना चाहिए। कमलनाथ ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, नाम बदलकर इतिहास नहीं बदल सकते। अच्छे और बुरे हर काम का हिसाब होता है, हम भी हिसाब करेंगे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी सरकार के फैसले की घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि देश में सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति लाने और कंप्यूटर युग की शुरुआत करने में राजीव गांधी का महत्वपूर्ण योगदान था। सिंघार ने सवाल उठाया कि जिन नेताओं ने देश के लिए अपना समय दिया, योगदान दिया और शहादत दी, उनके नाम हटाना क्या उचित है? सिंघार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों का आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं था, क्या भाजपा की मोहन यादव सरकार उनके नाम पर संस्थानों के नाम रखना चाहती है? उन्होंने इसे देश के महान नेताओं के खिलाफ साजिश बताया।

पौधों के जीवन रक्षण और हरित संवर्धन में प्रशिक्षित माली कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : आयुक्त श्री भोंडवे

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के नगरीय निकायों में हरित आवरण का निरंतर विस्तार करने, रोपे गए पौधों की वैज्ञानिक देखभाल सुनिश्चित करने तथा पार्कों के योजनाबद्ध एवं सौंदर्यबोध आधारित प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भौंरी स्थित सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगरीय प्रबंधन संस्थान (एसपीएनआईयूएम) में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। 1 एवं 2 सितंबर 2026 को आयोजित इस कार्यशाला में राज्य के सभी 10 संभागों से लगभग 215 से 220 माली कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्रों में नर्सरी प्रबंधन, लैंडस्केपिंग, पार्क डिजाइनिंग तथा पौधारोपण की आधुनिक व प्रामाणिक तकनीकों पर विस्तृत ज्ञान साझा किया गया। इसके साथ ही 'नमो हरित-नगर योजना' के अंतर्गत व्यवस्थित पौधारोपण के माध्यम से शहरों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के व्यावहारिक उपायों से संभाग स्तरीय प्रतिनिधियों को अभिभूत कराया गया।नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि प्रदेश में अमृत हरित महाभियान के तहत अब तक 51 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है, जो राज्य की एक विशिष्ट उपलब्धि है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वास्तविक सफलता केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक पौधे को एक स्वस्थ और विशाल वृक्ष के रूप में विकसित करने में समाहित है, जिसमें प्रशिक्षित माली कर्मचारियों का समर्पण सर्वाधिक निर्णायक सिद्ध होगा।

सेवा से संकल्प अभियान की तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करें : संभागायुक्त श्री शर्मा

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में भोपाल संभाग को प्रदेश में प्रथम बनाने के लिए चलाएं विशेष अभियान मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के शिविरों में लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें संभागायुक्त ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा से संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों की सभी संभागीय अधिकारी माइक्रो स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संबंधित जिलों एवं विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धरती आबा अभियान में चयनित ग्रामों को योजनाओं से करें संतृप्त

संभागायुक्त श्री शर्मा ने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को चयनित ग्रामों में योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन एक माह के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, जिससे भोपाल संभाग प्रदेश का प्रथम संभाग बन सके। उल्लेखनीय है कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भारत सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए प्रारंभ किया गया व्यापक मिशन है।अभियान के अंतर्गत भोपाल संभाग के कुल 277 ग्रामों का चयन किया गया है। इनमें भोपाल जिले का एक, विदिशा के 86, सीहोर के 80, रायसेन के 92 तथा राजगढ़ जिले के 18 ग्राम शामिल हैं। अभियान में 17 विभागों की विभिन्न योजनाओं को सम्मिलित किया गया है। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि विभिन्न विभागों की योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन कर चयनित जनजातीय ग्रामों में सड़क, पक्के आवास, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमियों को दूर किया जाए।

तकनीकी शिक्षा से रोजगार के लिए तैयार होंगे विद्यार्थी

शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डिप्लोमा के द्वितीय वर्ष में मिलेगा लेटरल एंट्री से प्रवेश 'रुक जाना नहीं' योजना के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दिया जाएगा करियर मार्गदर्शन

भोपाल (आरएनएस)। राज्य शासन की मंशा है कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में प्रवेश लेकर तकनीकी कौशल में दक्ष बनें और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करें। वर्तमान में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में कक्षा 10वीं के अंकों के आधार पर तैयार मेरिट सूची के अनुसार प्रवेश दिया जाता है। इसके साथ ही शैक्षणिक सत्र 2026-27 से निर्धारित पात्रता के अनुसार कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को लेटरल एंट्री के माध्यम से डिप्लोमा के द्वितीय वर्ष में प्रवेश देने का निर्णय लिया गया है।शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल की प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 10वीं के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का डिप्लोमा पाठ्यक्रम तीन वर्ष में पूरा होगा। वहीं, लेटरल एंट्री के माध्यम से द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी दो वर्ष में डिप्लोमा पूरा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के आधार पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण के समकक्ष मान्यता प्रदान की गई है। महाविद्यालय द्वारा 'रुक जाना नहीं' योजना के अंतर्गत उत्तीर्ण विद्यार्थियों को भी तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की पहल की जाएगी।

ई-दक्ष केंद्र में कर्मयोगी अंतर्गत विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

भोपाल (आरएनएस)। लोक सेवकों में सेवा भाव (Spirit of Service) की संस्कृति को आत्मसात कराने तथा लोक-केंद्रित प्रशासन की अवधारणा विकसित करने के उद्देश्य से कर्मयोगी कर्त्तव्य कार्यक्रम (KKK) के अंतर्गत व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, भोपाल द्वारा ई-दक्ष केंद्र, भोपाल में किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, श्रीमती इला तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के मेडिकल ऑफिसर, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, iGOT नोडल ऑफिसर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

भोपाल में सीलिंग का विरोध, सीएम से मिले जनप्रतिनिधि, कोलार में बाजार बंद, डी-मार्ट और शराब दुकानें भी नहीं खुलीं; व्यापारियों ने अर्थी निकाली

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में चल रही सीलिंग कार्रवाई के विरोध में कोलार व्यापारी महासंघ के आव्हान पर आज पूरा बाजार बंद रहा। यहां तक कि डी-मार्ट और शराब की दुकानें भी बंद रखी गई हैं। कोलार तिराहे से गोल जोड़ तक सभी प्रतिष्ठान बंद हैं। इमरजेंसी सेवाएं जैसे मेडिकल, पेट्रोल पंप को बंद से छूट दी गई है। व्यापारियों ने दोपहर में व्यापार की अर्थी सजाकर प्रदर्शन किया। महासंघ के अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि सीलिंग की कार्रवाई गलत है। इससे व्यापारी सड़क पर आ गए हैं। इसलिए आज प्रदर्शन किया जाएगा। व्यापारियों के इस विरोध के बाद बुधवार सुबह मंत्री कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी समेत कई जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले। सूत्र बताते हैं कि मुलाकात में भोपाल के मास्टर प्लान, मिक्स लैंड यूज, भूमि विकास अधिनियम आदि को लेकर चर्चा की गई।

ऐसे में संभावना है कि मास्टर प्लान को लेकर प्रोसेस जल्द ही शुरू हो सकती है। इधर, नगर निगम तीसरे दिन भी प्रतिष्ठान सील करने की कार्रवाई करेगा। अब तक कुल 170 प्रतिष्ठान बंद कराए जा चुके हैं। हालांकि, इसे लेकर व्यापारी विरोध भी कर रहे हैं। व्यापारियों ने मंगलवार को करीब चार घंटे तक रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया था।दोपहर बाद भी कोलार का बाजार पूरी तरह बंद है। सीलिंग कार्रवाई के विरोध में व्यापारी दुकानों के शटर नहीं खोल रहे हैं। बाजार बंद रहने से मुख्य सड़कों और व्यावसायिक क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत एक सप्ताह में 2 करोड़ 10 लाख रुपए से अधिक का मादक पदार्थ एवं संपत्ति जब्त

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री एवं अवैध रूप से मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लगभग 2 करोड़ 10 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

प्रमुख कार्यवाहियां

नीमच

जिले की पुलिस चौकी कंजार्डा ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 424 किलो अवैध डोडाचूरा, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 63 लाख 60 हजार है, जप्त कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया।एक अन्य कार्यवाही थाना जीरन पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 12 क्विंटल 70 किलो अवैध डोडाचुरा एवं ट्रक सहित लगभग 65 लाख रूपए की संपत्ति जब?त कर 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 01 करोड़ 28 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

इंदौर

थाना चंदन नगर पुलिस ने नशा तस्कर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विदेशी महिला आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 57.18 ग्राम कोकीन, मोबाइल फोन सहित लगभग 29 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

शिवपुरी

थाना कोतवाली पुलिस ने नशीले पदार्थों के विक्रय के विरुद्ध तीन अलग-अलग कार्यवाहियों में स्मैक का विक्रय करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 48.36 ग्राम स्मैक, मोटरसाइकिल एवं बुलेरो वाहन सहित लगभग 22 लाख 10 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

बालाघाट

पुलिस ने थाना चांगोटोला के एनडीपीएस एक्ट के अपराध में पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी से पूछताछ के बाद ओडिशा में दबिश देकर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 31.570 किलोग्राम गांजा, कीमत लगभग 16 लाख रूपए, का जब्त किया।

विदिशा

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए गंजबासौदा क्षेत्र से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 18 ग्राम ब्राउन शुगर, 147 लीटर अवैध शराब, 500 एबल के इंजेक्शन, 70 सिरिंज, 32 मोबाइल एवं 01 मोटरसाइकिल सहित लगभग 9 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

उज्जैन

थाना जीवाजीगंज पुलिस ने नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए वाहन चेकिंग के दौरान ई-रिक्शा चालक को रोककर उसके कब्जे से 255 ग्राम अवैध चरस कीमत लगभग 2 लाख रूपये जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।वहीं थाना खाचरोद पुलिस ने बुरानाबाद जंगल में अवैध रूप से गांजे की खेती का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया तथा कुटिया के पास पेड़-पौधों की आड़ में उगाए गए 26 किलो 96 ग्राम गांजा कीमत लगभग 4 लाख रूपये का जप्त किया। दोनों कार्रवाइयों में लगभग 6 लाख रूपए का मादक पदार्थ जप्त किया।

ड्रोन निर्माण, परीक्षण और नवाचार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने प्रस्तुत किया रोडमैप

एमपीएसईडीसी और आईआईएसईआर भोपाल ने ड्रोन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ इंडस्ट्री राउंडटेबल की आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा आईआईएसईआर भोपाल एवं ड्रोन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ उच्चस्तरीय इंडस्ट्री राउंडटेबल आयोजित किया गया। प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम. सेल्वेंद्रन ने चर्चा में सहभागिता करते हुए ड्रोन क्षेत्र के विकास, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन की प्राथमिकताओं को साझा किया।राउंडटेबल में ड्रोन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों, स्टार्टअप्स, उद्योग संगठनों, अनुसंधान संस्थानों और इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें गरुड़, डीएफआई, आइडियाफोर्ज, एनएफएसयू, प्रखर और आईजेडआई सहित अनेक कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रतिभागियों ने प्रदेश में ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

बैठक में ड्रोन क्षेत्र के लिए आवश्यक अधोसंरचना, परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाएं, कौशल विकास, अनुसंधान सहयोग और ग्वालियर में प्रस्तावित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग क्लस्टर के विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, कुशल मानव संसाधन, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और प्रगतिशील नीतिगत ढांचे का लाभ उठाते हुए मध्यप्रदेश को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए देश के पसंदीदा गंतव्यों में शामिल करने के रोडमैप की जानकारी दी गई। इसमें ड्रोन निर्माण के लिए अधोसंरचना, साझा परीक्षण सुविधाएं, फ्लाइट टेस्टिंग क्षमताएं, नवाचार प्लेटफॉर्म और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रतिभा एवं कौशल विकास को शामिल किया गया है।

रायसेन जेल में खूनी खेल, कैदी ने प्रहरी पर चलाई गोली, हालत गंभीर, भागने की कोशिश में हुआ विवाद

रायसेन (ए.) जिला जेल के अंदर गोलीकांड के आरोप में बंद विचाराधीन कैदी ने जेल प्रहरी पर गोली चला दी। इस हमले में प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। मध्यप्रदेश के रायसेन जिला जेल में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कैदी ने एक प्रहरी पर गोली चला दी। पहले धारा 307 और बाद में धारा 302 के आरोपी नीलेश ठाकुर ने जेल प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर को गोली मार दी। विचाराधीन कैदी द्वारा इस खौफनाक वारदात को अंजाम देते ही जेल के अंदर हड़कंप मच गया। गोली की आवाज सुनकर अन्य प्रहरी मौके पर पहुंचे और देखा की प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर को गोली लगी है। घटना के बाद जेल प्रहरी को रायसेन जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल एम्स अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।बताया जा रहा है कि आरोपी निलेश ठाकुर 307 और बाद में धारा 302 का आरोपी है और विचाराधीन कैदी है। निलेश ठाकुर ने भागने की कोशिश में जेल प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर को दो गोली मार दी। इस हमले में दिग्विजय सिंह तोमर को एक गोली कंधे के पास तो दूसरी गोली पीठ में लगी है। गोली की आवाज सुनकर जेल में मौजूद अन्य जेलकर्मी दिग्विजय सिंह तोमर के पास पहुंचे और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया।

आरोपी निलेश ठाकुर बरेली तहसील के ग्राम दिमाड़ा का निवासी है और रायसेन में पहले हुए गोलीकांड का आरोपी है और उस पर धारा 302 का केस चल रहा है। घायल जेल प्रहरी ने बताया कि आज जेल में स्कूली बच्चों का कार्यक्रम होना था, उसको लेकर तैयारियां चल रही थी। इसी बीच कैदी को फलों की टोकरी लेने गेट के पास भेजा गया, तभी उसने जेल प्रहरी से गेट खोलकर भगाने की बात कही। जेल प्रहरी द्वारा मना करने पर विवाद हुआ और इस बीच में आरोपी ने कट्टे से जेल प्रहरी पर दो फायर कर दिए।

आखिर अब सवाल यह खड़ा होता है कि जेल में धारा 302 के आरोपी नीलेश ठाकुर के पास कट्टा कहां से आया। जेल प्रहरी का इलाज करने वाली डॉक्टर महक सहयाद्रि का कहना है कि जेल प्रहरी को गोली लगी है और उसे प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल एम्स अस्पताल रेफर किया गया है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची चिरापाटला

बैतूल (ए.)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 2 सितंबर को रतनपुर से निकली। इस दौरान गाजे- बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदिरों का भ्रमण किया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा प्रमुख ग्रामों का भ्रमण करते हुए भीमपुर के चिरापाटला पहुंची, तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक बंधु, संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा घोड़ाडोंगरी विकासखंड में 3 सितंबर को चिरापाटला से चिचोली नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 4 सितंबर को चिचोली नगर से पाढर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 5 सितंबर को पाढर से घोड़ाडोंगरी, चोपना भ्रमण तथा रात्रि विश्राम रहेगा।

छतरपुर में गांव के तालाब से निकला विशालकाय मगरमच्छ, ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी

छतरपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक गांव के तालाब से मगरमच्छ निकलने से हड़कंप मच गया। हालात ये हैं कि ग्रामीण अपने बच्चों को घर से

बाहर निकालने में भी डर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग इस मगरमच्छ को रेस्क्यू करे, जिससे गांव वाले भी तनाव रहित होकर कहीं भी घूम सकें। छतरपुर: मध्य प्रदेश के छतरपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक गांव के तालाब से एक विशालकाय मगरमच्छ निकला है। मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों के बीच खलबली मची हुई है। छतरपुर जिले सहित आसपास के जिलों में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण केन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी का पानी रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने से जंगली जानवर भी आबादी की तरफ आने लगे हैं।ताजा मामला धमना गांव का है, जहां गांव के बीचों-बीच बने तालाब में एक विशाल मगरमच्छ देखे जाने से अफरा-तफरी मच गई। मगरमच्छ के गांव में आने की खबर से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बलराम जयंती पर कार्यक्रम सम्पन्न

इन्दौर (ए.)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलाभवन इंदौर में बलराम जयंती के पावन अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

का उद्देश्य छात्राओं को भगवान बलराम के जीवन, व्यक्तित्व, कृषि संस्कृति, श्रम एवं भारतीय परंपरा में उनके योगदान से परिचित कराना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन तथा आई.क्यू.ए.सी प्रभारी प्रो. मनीषा जोशी के निर्देशन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन माँ सरस्वती एवं भगवान बलराम के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित काल, समय और युगों की अवधारणा पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय परंपरा में समय को केवल वर्षों या दिनों में नहीं, बल्कि अत्यंत व्यापक ब्रह्मांडीय परिप्रेक्ष्य में देखा गया है।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

उज्जैन (ए.)। उज्जैन,02 सितम्बर। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 7 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक जिले में एक परीक्षा केंद्र पर किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक सत्र में आयोजित होगी। परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में प्रात: 8:30 बजे से परीक्षा समाप्ति तक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सहायक ग्रेड-3 श्रीमती नीलम पाण्डेय को शाखा लिपिक के रूप में, कम्प्यूटर ऑपरेटर धर्मेश बैरागी को जिलेवार परीक्षार्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी आयोग को ई-मेल के माध्यम से भेजने का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार कार्यालय सहायक सुदर्शन शर्मा को परीक्षा दिवस पर जिलेवार परीक्षार्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी हार्ड कॉपी में एकत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

एमपी ट्रांसको ने अगस्त माह में 135 सर्किट किलोमीटर की 6 नई ट्रांसमिशन लाइनें पूर्ण कर स्थापित किया नया कीर्तिमान

जबलपुर (ए.)। मध्यप्रदेश में अगस्त माह में हुई लगातार भारी वर्षा और चुनौतीपूर्ण मौसम परिस्थितियों के बावजूद मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त माह में कुल 135.90 सर्किट किलोमीटर लंबाई की 132 केवी की कुल 6 ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण एवं सेकंड सर्किट के कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं। इसमें रेलवे के लिए तैयार की गई एक महत्वपूर्ण लाइन भी शामिल है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर अमले को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय एवं सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार हो रही वर्षा के बीच एमपी ट्रांसको के अभियंताओं एवं कर्मचारियों ने समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करते हुए यह उपलब्धि अर्जित की है। इन कार्यों के पूर्ण होने से प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

अगस्त माह में 6 महत्वपूर्ण लाइने हुई पूर्ण

एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता के. एम. सिंघल ने बताया कि अगस्त माह में 132 केवी डबल सर्किट सिंगल स्ट्रिंग आलोट-ताल ट्रांसमिशन लाइन के सेंकड सर्किट का 19.56 सर्किट किलोमीटर, गंज बासौदा-सहरवासा लाइन के सेंकड सर्किट का 28.92 सर्किट किलोमीटर तथा कैमोर-बरही लाइन के सेंकड सर्किट का 32.40 सर्किट किलोमीटर कार्य पूर्ण किया गया।

उन्होंने बताया कि 132 केवी सब स्टेशन सनावद से आरटीएस निमारखेड़ी तक 15.90 सर्किट किलोमीटर लंबी 132 केवी डबल फेज डबल वायर रेलवे ट्रैक्शन लाइन का निर्माण कार्य गंभीर निर्माण चुनौतियां के कारण लंबी अवधि से पूर्ण नहीं हो पा रहा था, जिसे स्थानीय प्रशासन के सहयोग से रेल्वे के इस लाईन कार्य को भी गहन वर्षाकाल मे पूर्ण किया गया।

इसके अतिरिक्त बिलकिसगंज-मुगालिया छाप लाइन के सेंकड सर्किट का 17.27 सर्किट किलोमीटर तथा रतनगढ़-सिंगोली लाइन के सेंकड सर्किट का 21.85 सर्किट किलोमीटर निर्माण कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

व्यापार समाचार

आइसक्रीम बाजार में अंबानी की एंट्री, 10 रुपए से शुरू होगी 'बॉम्बे क्रीमरी', कई कंपनियों की उड़ी नींद

नई दिल्ली(ए.)। टेलीकॉम सेक्टर में जियो के जरिए बड़ा बदलाव लाने के बाद रिलायंस अब आइसक्रीम बाजार में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने 'बॉम्बे क्रीमरी' ब्रांड के साथ आइसक्रीम सेगमेंट में कदम रखा है। कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत महज 10 रुपये रखी है। कप, कोन और स्टिक जैसे उत्पादों के साथ शुरुआत करने वाला यह ब्रांड फिलहाल पश्चिमी भारत में उपलब्ध कराया जा रहा है। आगे इसे देश के अन्य हिस्सों में भी पहुंचाने की योजना है।

10 रुपये की कीमत से मची हलचल

रिलायंस की एंट्री का असर बाजार में भी दिखाई देने लगा है। खबर सामने आने के बाद बुधवार को बीएसई पर क्वालिटी वॉल्स के शेयर करीब 3 फीसदी तक गिरकर 43 रुपये पर पहुंच गए। इसके साथ ही कंपनी के शेयरों में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज हुई और इस अवधि में करीब 11 फीसदी की कमी आई।रिलायंस की रणनीति की सबसे बड़ी खासियत इसकी शुरुआती कीमत मानी जा रही है। अमूल के कई स्टिक और कुल्फी उत्पाद ऑनलाइन क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर करीब 20 रुपये या उससे अधिक कीमत में उपलब्ध हैं। ऐसे में 10 रुपये से शुरू होने वाली बॉम्बे क्रीमरी सीधे बड़े पैमाने के उपभोक्ता वर्ग को आकर्षित करने की कोशिश करती दिख रही है।

कीमत के साथ गुणवत्ता पर भी जोर

आरसीपीएल के निदेशक टी. कृष्णकुमार के मुताबिक, कंपनी कीमत को प्रतिस्पर्धी रखने के साथ उत्पाद की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेगी। कंपनी का दावा है कि बॉम्बे क्रीमरी में असली डेयरी क्रीम का इस्तेमाल किया गया है और इसे भारतीय परिवारों के बजट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।आइसक्रीम बाजार में पारंपरिक वैनिला और चॉकलेट के अलावा साल्टेड कारमेल, माचा और तिरामिसु जैसे नए स्वादों की मांग भी बढ़ रही है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने इस बदलाव को और गति दी है, क्योंकि उपभोक्ताओं को कुछ ही मिनटों में आइसक्रीम उपलब्ध हो जाती है।

कैंपा कोला की रणनीति फिर दोहराएगा रिलायंस ?

आइसक्रीम बाजार में रिलायंस की रणनीति को उसके कैंपा कोला प्रयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। कंपनी ने कैंपा कोला को दोबारा बाजार में उतारते समय 200 मिलीलीटर की बोतल की कीमत 10 रुपये रखी थी। आक्रामक कीमत के चलते सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हुई और पुराने खिलाड़ियों को भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा।कंपनी के लिए कैंपा की सफलता ने उपभोक्ता बाजार में कम कीमत और बड़े वितरण नेटवर्क की ताकत को साबित किया। वित्त वर्ष 2026 में कैंपा की सकल बिक्री 4,700 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने का दावा किया गया है। अब रिलायंस इसी मॉडल को आइसक्रीम बाजार में आजमाती नजर आ रही है।

तेजी से बढ़ रहा है आइसक्रीम बाजार

भारत में आइसक्रीम की मांग लगातार बढ़ रही है। बढ़ते तापमान, लंबे समय तक चलने वाली गर्मी और उपभोक्ताओं की बढ़ती खर्च क्षमता ने इस बाजार को विस्तार दिया है। बाजार अनुसंधान अनुमानों के अनुसार, भारतीय आइसक्रीम बाजार करीब 15 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है और 2035 तक इसके 16.10 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

तमिलनाडु में तास्माक का राजस्व रिकॉर्ड 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (तास्माक) से प्राप्त राजस्व ने 2025-26 में पहली बार 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो शराब की बिक्री से एकत्र किए गए करों पर राज्य सरकार की निरंतर निर्भरता को दिखाता है।

गृह, निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग की 2026-27 की नीति के अनुसार, राज्य के स्वामित्व वाले शराब विक्रेता ने पिछले वित्तीय वर्ष में 50,845 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह 2024-25 में अर्जित 48,381 करोड़ रुपये से 2,464 करोड़ रुपये या लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

रिकॉर्ड तोड़ राजस्व से तमिलनाडु के कुल कर राजस्व का लगभग 26 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जिससे शराब व्यापार राजकोष के लिए धन के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक बन गया। मूल्यवर्धित कर (वैल्यू एडेड टैक्स) से सबसे अधिक 39,010 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्पाद शुल्क से 11,836 करोड़ रुपये की आय हुई।

नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में राजस्व वृद्धि जारी रही है। 2026-27 के पहले चार महीनों के दौरान, तस्मै ने 17,855 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। विभाग के अनुमानों के आधार पर, इस वर्ष इसके वार्षिक राजस्व में 5.3 प्रतिशत की और वृद्धि होने की उम्मीद है। केवल चार महीनों की वसूली ही औसतन 4,460 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक है।तास्माक तमिलनाडु भर में भारतीय निर्मित विदेशी शराब की खुदरा बिक्री का संचालन करता है और सरकारी राजस्व, सार्वजनिक स्वास्थ्य और शराबबंदी पर चर्चा में लंबे समय से एक केंद्रीय स्थान रखता है।इसके वित्तीय प्रदर्शन पर नजर रखी जाती है।

Apple में जॉन टेर्नस ने संभाली CEO की कमान, टिम कुक से इतनी ज्यादा मिलेगी सैलरी

कैलिफोर्निया ((ए.)। टेक दिग्गज Apple में 15 साल बाद ऐतिहासिक नेतृत्व परिवर्तन हो गया है। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (हार्डवेयर इंजीनियरिंग) रहे जॉन टेर्नस ने आधिकारिक तौर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) का पदभार संभाल लिया है। वहीं लंबे अरसे से कमान संभाल रहे टिम कुक अब कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका में नजर आएंगे। पद संभालते ही टेर्नस इस महीने होने वाले कंपनी के मेगा इवेंट की तैयारियों में जुट गए हैं।

ऐपल द्वारा अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (SEC) में दाखिल की गई ताजा रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, नए सीईओ जॉन टेर्नस का कुल सालाना टारगेट पे-पैकेज 58 मिलियन डॉलर (करीब 551 करोड़ रुपये) तय किया गया है। इसमें 30 लाख डॉलर (लगभग 28.6 करोड़ रुपये) की बेस सैलरी और वित्त वर्ष 2027 के लिए 5.5 करोड़ डॉलर (करीब 522 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम इक्विटी स्टॉक अवॉर्ड शामिल है। इसके अलावा 2026 के बचे हुए कार्यकाल के लिए उन्हें 2.5 मिलियन डॉलर का अंतरिम स्टॉक अवॉर्ड भी मिला है।

दूसरी तरफ, एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की जिम्मेदारी निभाने जा रहे टिम कुक को सालाना 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 446 करोड़ रुपये) का पैकेज मिलेगा। कुक का वार्षिक मूल वेतन 20 लाख डॉलर (करीब 19 करोड़ रुपये) होगा, जबकि वित्त वर्ष 2027 के लिए उन्हें 4.5 करोड़ डॉलर का स्टॉक अवॉर्ड दिया जाएगा। सीईओ के रूप में कुक को पहले 30 लाख डॉलर बेस सैलरी मिलती थी। दोनों अधिकारियों को मिलने वाले स्टॉक अवॉर्ड की अंतिम कीमत ऐपल के शेयरों के प्रदर्शन और बाजार मूल्यांकन के आधार पर तय होगी।जॉन टेर्नस के पदभार संभालते ही सबकी निगाहें 9 सितंबर को होने वाले ऐपल के भव्य लॉन्च इवेंट पर टिक गई हैं। इस इवेंट में कंपनी अपनी बहुप्रतीक्षित फ्लैगशिप सीरीज iPhone 18 Pro को दुनिया के सामने पेश करने जा रही है।

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध शुरु होने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला; निफ्टी 24,000 के नीचे फिसला

मुंबई (ए.)। कमजोर वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को गिरावट के साथ हुई। इस दौरान सेंसेक्स 472.96 अंक या 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,471.32 और निफ्टी 197.80 अंक या 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,858.00 पर था।

बाजार में बिकवाली व्यापक आधार पर देखी गई। करीब सभी सूचकांक लाल निशान में थे।

निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांकों में शामिल थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बड़ी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 725.80 अंक या 1.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,608.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 199.85 अंक या 1.00 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,686.40 पर था।

सेंसेक्स पैक में सन फार्मा और अदाणी पोर्ट्स गेनर्स थे। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टीसीएस, इंडिगो, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, आईटीसी, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील और टाइटन लाल निशान में थे।

वर्ल्ड बैंक के साथ अब टूरिज्म और डिजिटल हब पर भी साथ काम करेगा भारत

एशविले (ए.)। भारत और वर्ल्ड बैंक ग्रुप ने अपनी साझेदारी को पारंपरिक कर्ज देने से आगे ले जाने पर चर्चा की। अब दोनों का फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और प्राइवेट कैपिटल जुटाने पर ज्यादा रहेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक के दौरान एशविले में वर्ल्ड बैंक ग्रुप के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की। बैठक के बाद जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक, वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत के साथ वर्ल्ड बैंक ग्रुप के लगातार जुड़ाव का स्वागत किया। उन्होंने 1.5 अरब डॉलर के डेवलपमेंट पॉलिसी फाइनेंसिंग को तेजी से प्रोसेस करने के लिए आभार जताया।

वित्त मंत्री ने इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईएफसी) के उस सहयोग का भी स्वागत किया, जो स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई) के जरिए एमएसएमई सेक्टर को दिया गया है। बयान में कहा गया कि यह मदद रिकॉर्ड समय में प्रोसेस की गई और इसका भारत के एमएसएमई सेक्टर पर सकारात्मक असर पड़ा है।

बैठक में भारत-वर्ल्ड बैंक ग्रुप पार्टनरशिप को मजबूत करने और फाइनेंसिंग टूल्स के ज्यादा इस्तेमाल पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत में मल्टीलेटरल इन्वेस्टमेंट गारंटी एजेंसी (एमआईजीए) की बड़ी भूमिका पर बात की। इस प्रस्तावित सहयोग के तहत गारंटी के व्यवस्थित इस्तेमाल और ज्यादा प्राइवेट पूंजी जुटाकर देश के कॉर्पोरेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और म्युनिसिपल बॉन्ड मार्केट को मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सेक्टर-बेस्ड, प्रोग्रामेटिक अप्रोच पर भी विचार किया। इस तरह की व्यवस्था से साझेदारी का फोकस अलग-अलग प्रोजेक्ट से हटकर बड़े सेक्टर्स के प्रोग्राम पर होगा।अजय बंगा ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए बड़े बदलाव का जिक्र किया। उन्होंने भारत की विकास महत्वाकांक्षाओं को सपोर्ट करने के लिए वर्ल्ड बैंक ग्रुप के साधनों के ज्यादा इस्तेमाल के अवसरों पर भी बात की।

चीन ने व्यापार असंतुलन से जुड़े प्रस्तावों पर जी20 की आम सहमति को रोका

एशविले (ए.)। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चीन ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में आम सहमति बनने से रोक दिया। चीन ने व्यापार में लगातार असंतुलन और गैर-बाजार आर्थिक तौर-तरीकों को लक्षित करने वाले प्रस्तावों पर आपत्ति जताई थी।

बाकी 19 सदस्यों ने चेयरमैन के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि जिन देशों का बाहरी सरप्लस बहुत ज्यादा है, उन्हें ऐसी नीतियां हटानी चाहिए जो घरेलू खपत को रोकती हैं और निर्यात पर बहुत अधिक निर्भरता पैदा करती हैं। भारत भी उन सदस्यों में शामिल था, जिन्होंने इस बयान का समर्थन किया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बुनियादी सुविधाओं की कमी

रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया, उनमें से भी कई जगहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

रेलवे स्टेशनों की दुर्दशा वैसे तो किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अब उनकी बदहाली की विस्तृत तस्वीर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भी सामने रखी है। गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं स्वच्छता के हाल पर केंद्रित यह रिपोर्ट सभी 16 रेलवे जोनों के 512 ऐसे स्टेशनों के ऑडिट पर आधारित है। सीएजी ने स्टेशनों का चयन यात्रियों की आवाजाही और वहां से होने वाली कमाई को ध्यान में रखते हुए किया। उसने रेलवे डेटा, यात्री शिकायतों, यात्री प्रतिक्रियाओं, और रेलवे अधिकारियों के साथ मिल कर किए गए निरीक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। निष्कर्ष है कि 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशनों पर एक या अधिक न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी है। और समस्या केवल छोटे स्टेशनों पर ही नहीं, बल्कि बड़े, उच्च-राजस्व और अधिक यात्री आवाजाही वाले स्टेशनों पर भी उसी तरह मौजूद है।

समस्या है: सुविधाओं का ना होना और जो सुविधाएं मौजूद हैं, उनकी नाकाफी क्षमता तथा उनका रखरखाव ठीक ना होना। रिपोर्ट के मुताबिक 188 स्टेशनों पर पेय जल के पर्याप्त नल उपलब्ध नहीं थे, जो रेल मंत्रालय के इस दावे का खंडन करता है कि ऐसी सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं। रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण खुद ही बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। यहां तक कि जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया है और जिन्हें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले स्टेशन समझा जाता है, उनमें से भी कई जगहों पर यात्रियों को पानी, पंखे, बैठने की जगह, शौचालय, और स्वच्छता की कमी आदि का सामना करना पड़ रहा है।

सार है कि भारतीय रेलवे के पास मानदंड, फंड और निगरानी के ढांचे तो मौजूद हैं, लेकिन उनके जरिए अमल असमान बना हुआ है। कारण जवाबदेही के सिस्टम का अभाव है। इस कारण सुविधाओं को मानदंडों के अनुसार प्रदान नहीं किया जाता, कार्यों के पूरा होने में देर होती है, मौजूद सुविधाओं का रखरखाव नहीं किया जाता, और कमियों को समयबद्ध कार्य योजनाओं के जरिए दूर नहीं किया जाता है।

देश की बाकी आबादी को भी सोचने मजबूर किया

अजीत द्विवेदी

चुनावी राजनीति का विमर्श बदल रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी भले राजनीतिक दल नहीं बनी है और बने तो हो सकता है कि कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन उसने देश के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। जंतर मंतर पर सीजेपी के आंदोलन ने एक नए विमर्श को जन्म दिया है, जिसमें एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी यानी 'ट्रिपल ई' केंद्र में हैं। इससे पहले राजनीति का विमर्श जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के इर्द गिर्द घूमता था। उसमें भ्रष्टाचार और विकास का मुद्दा भी जरुरत के हिसाब से शामिल होता था। लेकिन मुख्य रूप से सामाजिक समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और क्षेत्रीय भावनाओं या उप राष्ट्रीयता की भावना के इर्द गिर्द चुनाव का ताना बाना बुना जाता था। इसी आधार पर मुद्दे तय किए जाते थे, उम्मीदवारों का चयन होता था और नेताओं के भाषण होते थे। अब इसमें बदलाव आ रहा है। विमर्श के नए मुद्दे आ रहे हैं और नेताओं के भाषण बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपवाद हैं, जिनका भाषण अब भी बाबर, औरंगजेब, सालार गाजी या व्यापक रूप से मुस्लिम विरोध के इर्द गिर्द होता है।

बहरहाल, देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ। युवा जिस अंदाज में अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे और बिना किसी शर्मिंदगी के प्रधानमंत्री तक को निशाना बना रहे थे वह एक पहलू है। उससे नेताओं और पार्टियों को लगा और यह सही भी है कि एक नई पीढ़ी अपनी खास पहचान के साथ राजनीतिक क्षितिज पर उभरी है। उसने जाति, धर्म, क्षेत्र और यहां तक कि लिंग की पहचान छोड़ दी है। उसे 'जेन जी' की पहचान दी गई और उसे एड्रेस करने की कोशिश शुरू हुई। मुश्किल यह है कि ज्यादातर नेता उनके आचार, व्यवहार, भाषा और सरोकार को नहीं समझते हैं। इसलिए उन्होंने 'जेन जी' को समझने का अपना एक स्टीरियोटाइप विकसित किया और उन्हें उसी से देखना शुरू किया।

अगर नेता अपने परिवार में देखते और अपने बच्चों के व्यवहार से 'जेन जी' को समझने का प्रयास करते तो उनको पता चलता कि वे 'जेन जी' को लुभाने के लिए वे जो कर रहे हैं वह कितना पैथेटिक और ऑफ द मार्क है। 'जेन जी' को लुभाने के लिए नेता जो प्रयास कर रहे हैं उससे वे एक पूरी पीढ़ी को शर्मिंदा कर रहे हैं और खुद एक मूर्ख के रूप में उनके सामने प्रस्तुत हो रहे हैं। इसलिए उनको यह प्रयास बंद करना चाहिए और इस पीढ़ी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे या उनके सरोकारों

को समझना चाहिए।

यही बदलते राजनीतिक विमर्श का दूसरा पहलू है। वह मुद्दों और सरोकारों से जुड़ा है। वह सरोकार 'ट्रिपल ई' का है। तभी एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी पर युवाओं व देश के लोगों के सरोकारों को समझने की जरुरत है। दिल्ली से लेकर झारखंड और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र व बिहार तक ये ही मुद्दे अभी विमर्श का मुख्य विषय हैं। इसमें 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' दोनों शामिल हैं। उनको अच्छी शिक्षा चाहिए, जिसके लिए वे दबाव डाल रहे हैं। इससे पहले बच्चों ने यानी छात्रों ने यह मुद्दा हाथ में नहीं लिया था। शिक्षा को वे अभिभावकों और शिक्षकों पर छोड़े हुए थे। स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, शिक्षक की कमी है, समय पर शिक्षक नहीं आते हैं, स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई का कैलेंडर फॉलो नहीं किया जाता है, समय पर परीक्षा नहीं होती है, परीक्षा होती है तो उसमें गड़बड़ी हो जाती है, इन तमाम मुद्दों पर छात्र आंदोलित नहीं होते थे। ले

किन अब तस्वीर बदल गई है। अब स्कूली बच्चे भी ये मुद्दे उठा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने अभिभावकों के सामने नहीं, बल्कि सड़क पर उतर कर ये मुद्दे उठा रहे हैं। मजबूरी में नेताओं और राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर बात करनी पड़ रही है। अभी तो सिर्फ बात हो रही है और आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में आश्वासनों को पूरा भी करना होगा।

दूसरा सरोकार एम्प्लायमेंट यानी नौकरी और रोजगार का है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेहतर जीवन स्तर के लिए या कमजोर आर्थिक तबके के लोगों के सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में ऊपर आने के लिए सम्मानजक नौकरी से बेहतर कोई और तरीका नहीं है। परंतु पिछले कुछ समय से अलग अलग कारणों से नौकरी और रोजगार दोनों में लगातार कमी होती जा रही है। इसका नतीजा नीति आयोग की रिपोर्ट में दिखाई दिया, जिसमें कहा गया है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई नौकरी कर रहे हैं। यानी कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इन 8.7 करोड़ युवाओं के अलावा इसी उम्र वर्ग के इससे कम से कम दोगुने युवा पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी व रोजगार हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। वे भी अब तक नौकरी आने का इंतजार करते थे और पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी या परीक्षा में धांधली या परीक्षा रद्द होने को नियति मान कर चुप बैठे रहते थे।

लेकिन अब उनकी चुप्पी टूटी है। जंतर मंतर के प्रदर्शन ने उनको रास्ता दिखाया है। वे नौकरी के हर विज्ञापन को बारीकी से देख रहे हैं। उसकी कमियां सामने ला रहे हैं। सरकारों पर दबाव बना रहे हैं कि वह नौकरी या दाखिले के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करें और उसका पूरी तरह से पालन करें। वैकेंसी बढ़ाने से लेकर परीक्षा कराने के तरीके पर छात्र सरकारों से बात कर रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक दशक में केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या सवा चार लाख से दोगुनी होकर साढ़े आठ लाख हो गई है। ऐसी ही स्थिति राज्य सरकारों की भी है। युवा अब इसको मुद्दा बना रहे हैं।

तीसरा सरोकार एनर्जी का है। शिक्षा और नौकरी तो आपस में जुड़े हुए हैं लेकिन एनर्जी उससे बिल्कुल अलग है। लेकिन यह भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा इसलिए बना है क्योंकि हाल की कई घटनाओं ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की कमजोरियों को जाहिर किया है। ईरान और अमेरिका की जंग ने आपूर्ति के संकट को उजागर किया तो इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी लोगों को मिली और इथेनॉल मिश्रण से खाद्यान्न संकट का जो दौर आएगा, उसकी भी एक झलक लोगों को मिली।

अगर शिक्षा व नौकरी ने युवाओं को आंदोलित किया तो ऊर्जा की बढ़ती कीमत, आपूर्ति के संकट, गाड़ियों के इंजन की परेशानी, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत और संभावित खाद्यान्न संकट ने युवाओं के साथ साथ देश की बाकी आबादी को भी सोचने पर मजबूर किया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

हर किसान के लिए किफायती फसल बीमा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026 27 के लिए 12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025-26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए 2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली (वाईईएस-टेक) और वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है।

फसल बीमा के जरिए ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करना

फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग-अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं।

जब जलवायु घर छीन रही हो, कानून को छत बनना होगा

[जलवायु विस्थापित — न शरणार्थी, न नागरिक; सिर्फ़ लापता] विकास के विस्थापितों का हक है, तो जलवायु पीड़ितों का क्यों नहीं ?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

बाढ़ और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए—दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें 'जलवायु विस्थापित' मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है। नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार 'अतिक्रमणकारी' कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा।सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020

की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं। उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है—मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक—क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल—संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे 'आपदा' की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्माने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता। इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है।अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्मानों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लाने वाला है। आज जरूरी काम से आपकी यात्रा होगी। संतान की सफलता आपको खुश करेगी, लोग आपको बधाई देने आपके घर आयेंगे। आज घर पर छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं, जिससे घर में लोगों का अच्छा मनोरंजन होगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे, अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। आज आपको कई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभाएंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। बिजनेस साझेदार के साथ किए गए कामों से आज आपको फायदा होगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, बस आप मेहनत पर कंसंट्रेट करें। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे, आपके रिश्ते में मजबूती आएगी। समाज में आपके सराहनीय काम का सम्मान किया जायेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज कोई इम्पोर्टेन्ट काम सहयोगियों की मदद से पूरा हो जायेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे जिसमें अन्य लोगों का भी सहयोग रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आएगा। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा, समय का पूरा सदुपयोग करें। आज दूसरों को जितना ज्यादा महत्व देंगे, आपको भी उतना ही महत्व मिलेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में आसानी होगी, बिगड़ते काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम आपको उनका प्रिय बना देगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे, जहां आप कुछ जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब आपके फेवर में है। आज आप किसी योजना की शुरुआत कर सकते हैं।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में गड़बड़ी होने से आप थोड़ी उलझन में रहेंगे, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज आप अपने खास रिश्तेदार के घर उनसे मिलने जायेंगे। आज आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ होने की संभावना है। किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए कॉल आयेगी। आज फालतू विवादों से दूर रहने की कोशिश करें।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज किसी पुराने दोस्त से मिलने उसके घर जायेंगे, पुरानी यादें ताज़ा होगी। आज यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। आपको थकान और आलस्य महसूस हो सकता है। आज प्राइवेट शिक्षकों का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा।

कुंभ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आप का दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी का बिजनेस करते हैं, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा लाभ हो सकता है। कला व साहित्य के लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज पैसों के मामले में उन्नति के नये रास्ते खुलेंगे। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए।

हिमालय से मिल रही चेतावनी, फिर भी नहीं संभल रहे हम

कुलभूषण उपमन्यु

औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तकनीकी दंभ का प्रादुर्भाव हुआ है, उसके आलोक में वैज्ञानिकता के नाम पर प्रकृति से आधुनिक मानव युद्धरत है। ऊर्जा की अत्यधिक भूख ने ऊर्जा उत्पादन के ऐसे तरीकों पर निर्भरता बढ़ा दी है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि करके जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में वैश्विक स्तर पर तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ चुका है। अब भी हम लगभग उसी रास्ते पर दौड़ रहे हैं। हिमालय का क्रोध केवल भारत वर्ष के कारण नहीं है, यह तो सारी, दुनिया, विशेष कर विकसित देशों का किया धरा है, किन्तु बाकी सभी देश भी तो उन्हीं विकसित देशों की विकास पद्धति का ही अनुकरण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन में योगदान करके प्रकृति के संतुलन को नष्ट करने में लगे हुए हैं। प्रकृति बार-बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी में हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बर्फीले तूफानों से समझ रहे हैं न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल-कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है न ही अपने लालच के चलते प्रकृति को पहुंचाए जा रहे नुकसान के बारे में पुनर्विचार करने की ओर मुड़ रहा है। गेंद को एक-दूसरे के पाले में धकेला जा रहा है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयासों से अमेरिका जैसे भारी प्रदूषणकारी देश बाहर निकल चुके हैं। चीन और भारत हिमालय में बड़े से बड़े बांधों के निर्माण में डटे हुए हैं, जिससे होने वाली तोड़फोड़ और मीथेन उत्सर्जन से हिमालय में वैश्विक तापमान में वृद्धि की औसत से ज्यादा वृद्धि हुई है। नतीजा हम ही भुगत रहे हैं। कभी पारछू की बाढ़ में, सतलुज में तो कभी थुनाग-जंजैहली में। कभी धराली में तो कभी केदारनाथ में। हम जानते तो सब कुछ हैं पर समझेंगे नहीं, क्योंकि हम वैज्ञानिक युग के अहंकारपूर्ण शक्तिशाली देश हैं। प्रकृति की ताकत के आगे बार-बार शर्मिंदा होने के बाद भी हम प्राकृतिक आपदा कह कर मामले को टाल देते हैं, जबकि हमें इन्हें मानव निर्मित प्राकृतिक आपदा कहना चाहिए, ताकि हमें अपने गैरजिम्मेदार कारनामों की याद आती रहे, जिससे शायद जागने में मदद मिले।वर्तमान नेपाल त्रासदी ने जिस तरह हजारों बेशकीमती जान काल कलवित की हैं, वह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। भारत की स्थिति भी इस विषय में अच्छी नहीं है. हिमाचल प्रदेश से लेकर अरुणाचल तक कई जोखिमपूर्ण ग्लेशियर झीलें विद्यमान हैं। हिमाचल में लाहुल घाटी की घेपांग घाट ग्लेशियल झील सहित 48 ऐसी झीलें हैं। उत्तराखंड में 13, लद्दाख में 35, सिक्किम में 40, अरुणाचल में 28 उच्च जोखिम वाली ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं। सिक्किम भी 2023 में दक्षिणी ल्होनाक ग्लेशियल झील के फटने से भारी त्रासदी झेल चुका है।वर्तमान विकास गतिविधियां हिमालय में जान-माल के लिए खतरा बढ़ा रही हैं। जब जिन्दा ही नहीं रहेंगे, तो उस विकास का क्या करेंगे। एक ओर बड़े-बड़े देश युद्धों में उलझे हुए हैं। युद्ध भी जितना वायु प्रदूषण फैला रहे हैं, वह भी जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बन रहे हैं।

आतंकवाद और युद्ध दोनों से ही बचने की जरूरत है। बातचीत से समस्याएं हल हो सकती हैं। युद्ध के बाद भी तो बातचीत ही करनी पड़ती है। सांप्रदायिक घृणा जनित आतंकवाद से भी तौबा की जानी चाहिए। कोई संप्रदाय मृत्यु उपरांत नर्क में जाता है या स्वर्ग में इस बात की चिंता किसी को करने की क्या जरूरत है, जो जाएगा वह खुद देख लेगा। फिजूल की आत्मप्रशंसा जनित झगड़ों से ऊपर उठना जरूरी हो गया है, क्योंकि वर्तमान युद्ध और जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण विध्वंस कारक होते जा रहे हैं।

भारतवर्ष में पर्यावरणीय आन्दोलन 1980 के दशक से ही वैकल्पिक विकास नीति विशेषकर हिमालय क्षेत्रों के लिए बनाने की बात कर रहे हैं। चिपको आन्दोलन से लेकर हिमालय नीति अभियान, हिमालय क्षेत्र में पर्वत विशिष्ट परिशितिकीय दृष्टि से निरापद विकास नीति के लिए आवाज उठा रहे हैं। 1992 में योजना आयोग ने डॉ. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसने हिमालय में विकास के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, जिनमें हिमालय में करणीय और नहीं करने योग्य गतिविधियों के सुझाव दिए गए थे।इसके लिए व्यवस्थागत सुझाव भी दिए गए थे, किन्तु बात आगे नहीं बढ़ पाई। उसके बाद कितने ही नए अनुभव संचित हो चुके हैं, जिन पर आधारित सावधानियां और दिशाएं तय की जा सकती हैं। हमें आशा करनी चाहिए कि जब जागे तभी सवेरा वाली कहावत पर विश्वास करते हुए पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास शुरू करेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर चीन और अमेरिका जैसे अत्यधिक हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन करने वाले देशों को भी पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में गंभीर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना वांछित है। राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद अमेरिका का जलवायु परिवर्तन रोकने वाली वैश्विक संधियों से बाहर हो जाना चिंता योग्य है। स्वयं सही विकास नीति बना कर वैश्विक स्तर पर दबाव समूह को सशक्त करने की दिशा में भारत महती योगदान कर सकता है।

एनएचएआई टोल घोटाले पर ईडी का बड़ा एक्शन, देशभर में 14 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनएचएआई टोल प्लाजा पर फर्जी वसूली से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में 14 ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, एनसीआर और कोलकाता में अलग-अलग स्थानों पर यह कार्रवाई की।

दरअसल, आरोपियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के समानांतर एक फर्जी सॉफ्टवेयर तैयार कर टोल वसूली में करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी की। इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने किया था। जांच में सामने आया कि टोल से होने वाली कुल वसूली का महज पांच प्रतिशत हिस्सा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता था, जबकि करीब 95 प्रतिशत राशि कथित तौर पर सरकारी हिसाब-किताब से बाहर रखी जा रही थी।

मामले में दर्ज दो पुलिस एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि फर्जी सॉफ्टवेयर के जरिए टोल रसीदें तैयार कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गई। टोल प्लाजा से प्राप्त रकम को आधिकारिक अकाउंटिंग सिस्टम में दर्ज करने के बजाय बाहर डायवर्ट किया जाता था। ईडी की जांच में फोरेंसिक जांच और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के रिकॉर्ड के आधार पर फर्जी सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। एजेंसी की ताजा छापेमारी का मुख्य उद्देश्य फर्जीवाड़े से जुड़े डिजिटल और अन्य महत्वपूर्ण सबूत जुटाना, इसमें शामिल आरोपियों की पहचान करना तथा अपराध से अर्जित रकम और उसके लेनदेन का पता लगाना है।

डीएसपी गुरशेर संधू की बर्खास्तगी रद्द, हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

चंडीगढ़, (आरएनएस)। पंजाब के डीएसपी गुरशेर संधू को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी सेवा से बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया है। इसके साथ ही उनकी पुलिस सेवा में वापसी का रास्ता साफ हो गया है। पंजाब सरकार ने दो जनवरी, 2025 को संधू को सेवा से बर्खास्त किया था।

यह कार्रवाई गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खरड़ स्थित सीआइए परिसर में हुए साक्षात्कार के मामले में की गई थी। बाद में संधू के खिलाफ फिरौती और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले भी दर्ज किए गए थे। संधू ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि साक्षात्कार प्रकरण में उन्हें अनुचित तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया और पूरे मामले में बलि का बकरा बनाया गया।

याचिका में उन्होंने बताया था कि बिश्नोई को पंजाब लाए जाने के बाद से ही वह एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की हिरासत में था। खरड़ के सीआइए परिसर में भी उसकी कस्टडी एजीटीएफ के पास थी। ऐसे में साक्षात्कार के लिए उन्हें सीधे जिम्मेदार ठहराकर सेवा से बर्खास्त करना उचित नहीं था।

संधू ने अपनी याचिका में यह भी कहा था कि बर्खास्तगी जैसी कठोर कार्रवाई से पहले उनका पक्ष उचित रूप से नहीं सुना गया। उन्होंने इसी आधार पर सरकार के आदेश को चुनौती दी थी। हालांकि समाचार लिखे जाने तक हाई कोर्ट का विस्तृत आदेश जारी नहीं हुआ ।

मेरे हाथ-पांव में बेड़ियां डालकर ले जाए यूपी पुलिस, अंकित मर्डर में एनकाउंटर के डर से सहमा गैंगस्टर

शामली,(आरएनएस)। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में दो आरोपियों के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद यूपी पुलिस की कार्रवाई का खौफ अब हरियाणा के गैंगस्टरों में भी दिखाई दे रहा है। हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आए करनाल जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर राकेश कादियान उर्फ पम्पू ने कोर्ट में ऐसी अर्जी लगाई है, जिसने सबका ध्यान खींचा है।

शामली पुलिस द्वारा बी वारंट के जरिए राकेश कादियान को अपनी कस्टडी में लेने की तैयारी के बीच गैंगस्टर ने कोर्ट से मांग की है कि उसे बेड़ियों में जकड़कर ही यूपी पुलिस के हवाले किया जाए। साथ ही उसने मांग की है कि यूपी पुलिस की कस्टडी में रहने के दौरान हर एक मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाए। उसका कहना है कि इससे पुलिस उसके फरार होने या एनकाउंटर की कहानी नहीं बना सकेगी।

राकेश कादियान उर्फ पम्पू हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है और कुख्यात अपराधी बताया जाता है। वह करीब 16 साल से अपराध की दुनिया में सक्रिय है और अपना पम्पू गैंग चलाता है। पुलिस के मुताबिक उसके संबंध लॉरेंस बिश्नोई और गोगी गैंग से भी बताए जाते हैं।

अंकित बालियान हत्याकांड में शामिल दो कथित शूटरों सुमित और मोहित को शामली पुलिस और यूपी एसटीएफ पहले ही मुठभेड़ में मार गिरा चुकी है। इसके बाद पम्पू समेत अन्य आरोपियों में पुलिस कार्रवाई को लेकर डर का माहौल बताया जा रहा है।

शामली में 26 अगस्त की शाम हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद गोगी गैंग के राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाली थी।मामले के खुलासे के लिए शामली पुलिस के साथ यूपी एसटीएफ की टीम को भी लगाया गया था। इसी कार्रवाई के दौरान सोमवार सुबह पुलिस और एसटीएफ ने कथित तौर पर हत्याकांड में शामिल दो शूटरों सुमित और मोहित को मुठभेड़ में मार गिराया। वहीं, वारदात में शामिल बताए जा रहे सत्यम और आर्यन अभी फरार हैं।यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक, अंकित बालियान की हत्या की पूरी साजिश गोगी गैंग के राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया, करनाल जेल में बंद पम्पू गैंग के राकेश कादियान उर्फ पम्पू और तिहाड़ जेल में बंद गोगी गैंग के रोहित मुई ने मिलकर रची थी।पुलिस के मुताबिक, वारदात की प्लानिंग में शामिल भोलू, मोंटी और चिराग फिलहाल कनाडा में हैं। पुलिस अब हत्याकांड की साजिश से जुड़े अन्य आरोपियों और उनके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

भारत की नेपाल को मदद जारी, 11 सदस्यों वाली बचाव टीम और 5.5 टन मानवीय सहायता लेकर पांचवां विमान रवाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मदद लगातार जारी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को बताया कि नेपाल के लिए भारत का पांचवां राहत विमान रवाना हो गया है। यह विमान 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष बचाव उपकरणों और 5.5 टन जरूरी दवाइयों के साथ नेपाल भेजा गया है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, नेपाल के लिए भारत का पांचवां विमान रवाना हो गया है। इसमें 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष उपकरण और 5.5 टन जरूरी दवाइयां भेजी जा रही हैं।

नेपाल की मदद के लिए भारत अब तक 68 टन से अधिक राहत सामग्री और विशेष बचाव दल भेज चुका है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, मजबूत तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं। इसके अलावा जरूरी दवाइयां, खाद्य पैकेट, सोलर लैंप, पानी शुद्ध करने की गोलियां और पोर्टेबल जनरेटर भी भेजे गए हैं।

इससे पहले मंगलवार को नेपाल के अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या एक हजार से अधिक हो गई है। अलग-अलग जिलों में नदियों के किनारे लगातार शव मिलने के कारण यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है।

नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, अब तक 1003 शव बरामद किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा 321 शव चितवन जिले में मिले हैं, जबकि 216 शव नवलपरासी पूर्व जिले में बरामद हुए हैं।नेपाल पुलिस के अनुसार, 4,606 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें 583 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। इससे आशंका है कि मृतकों की संख्या आगे और बढ़ सकती है।नेपाल सरकार ने बताया कि रसुवा और नुवाकोट जिलों में भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्र की जलविद्युत परियोजनाओं में लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है। नेपाल सरकार के अनुरोध पर भारत और चीन ने जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की खोज और बचाव में मदद के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीमें भेजी हैं।इस बीच, भारत की 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम ने नेपाल के विशेषज्ञों के साथ मिलकर डीएनए नमूनों की जांच शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान करने में नेपाल की मदद करना है, ताकि प्रभावित परिवारों को सही जानकारी दी जा सके और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा सके।

पटना में मॉनसून के दौरान गंगा नदी के उफान से आई बाढ़ के पानी में डूबे नकटा दियारा इलाके का नज़ारा।

अंकित शर्मा हत्याकांड : ताहिर हुसैन की उम्रकैद के खिलाफ अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट ने मांगा पुलिस से जवाब

नई दिल्ली,(आरएनएस)। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा को चुनौती देने वाली आम आदमी पार्टी (AAP) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने ताहिर हुसैन की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए मामले को 2 दिसंबर को अन्य संबंधित अपीलों के साथ सूचीबद्ध किया है। अदालत ने जेल अधिकारियों को दोषी से संबंधित विवरण रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया है। साथ ही, निचली अदालत के रिकॉर्ड भी तलब किए गए हैं।ताहिर हुसैन ने अपनी अपील में निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें अंकित शर्मा की हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हुसैन का दावा है कि मामले की जांच उन्हें जनता के गुस्से को शांत करने के लिए फंसाने के उद्देश्य से की गई थी।अभियोजन पक्ष के अनुसार, 26 फरवरी 2020 को शिकायतकर्ता रविंदर कुमार ने दयालपुर थाने में सूचना दी थी कि उनका बेटा अंकित शर्मा, जो आईबी में तैनात था, 25 फरवरी से लापता है।बाद में स्थानीय लोगों से उन्हें जानकारी मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को चांद बाग पुलिया स्थित मस्जिद के पास से खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है।

पीएनबी करेंसी चेस्ट में मिला 17 करोड़ का नकली नोटों का अंबार, आरबीआई के उड़े होश; 3 अधिकारी नपे

सहारनपुर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के करेंसी चेस्ट से सामने आए एक चौंकाने वाले मामले ने पूरे बैंकिंग सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। चेस्ट के भीतर 17 करोड़ रुपये से अधिक के नकली नोट

मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष टीमें सक्रिय हो गई हैं। मंगलवार देर शाम तक बैंक में सघन पड़ताल चली और अब जांच एजेंसियों का पूरा ध्यान इस बात पर टिका है कि इतनी भारी मात्रा में जाली नोट बैंकिंग प्रणाली में घुसाए कैसे गए। करेंसी चेस्ट में नकदी जमा करने के लिए एक बेहद सख्त और बहुस्तरीय प्रक्रिया निर्धारित होती है। चेस्ट में पहुंचने वाली रकम की गिनती, छंटाई और तकनीकी मशीनों से सत्यापन के बाद ही बंडल बनाकर रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है। ऐसे में करोड़ों रुपये की जाली करेंसी का यहां पहुंच जाना बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जांच अधिकारी अब यह खंगाल रहे हैं कि ये नोट किस तारीख को पहुंचे, उनका बंडल नंबर क्या था, नोट किस शाखा से आए थे और इन्हें स्वीकार व सत्यापित करने वाले कर्मचारी और अधिकारी कौन थे। आने-जाने वाले कैश के रजिस्टरों और सील दस्तावेजों का बारीकी से मिलान किया जा रहा है।इस पूरे रैकेट की शुरुआत महज 4.30 लाख रुपये की कमी से हुई थी। पीएनबी करेंसी चेस्ट से करीब 11.50 करोड़ रुपये की नकदी आरबीआई के जयपुर कार्यालय भेजी गई थी, जहां मिलान के दौरान 4.30 लाख रुपये कम निकले।

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, केंद्र को नहीं मिली राहत; 17 सितंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ओबीसी में क्रीमी लेयर के आरक्षण से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फिलहाल कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की स्पष्टीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी पक्षों को 17 सितंबर 2026 तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई भी 17 सितंबर को होगी।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। केंद्र सरकार ने अपने पिछले आदेश के क्रियान्वयन को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था और व्यावहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल आदेश के अमल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को दिए अपने फैसले में कहा था कि OBC क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता की आय या मासिक वेतन के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए माता-पिता का पद, सामाजिक स्थिति और नौकरी की श्रेणी जैसे अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रखना होगा।

अदालत के इस फैसले के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों और निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को केवल अधिक वेतन के आधार पर OBC आरक्षण के लाभ से बाहर नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्टीकरण याचिका दाखिल कर फैसले को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का जिक्र किया है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि फैसले का असर UPSC परीक्षा 2025 की प्रक्रिया पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि PSC द्वारा अनुशंसित 958 उम्मीदवारों के सर्विस एलोकेशन की प्रक्रिया पुराने नियमों के आधार पर अंतिम चरण में थी। यदि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पिछली तारीख से लागू किया गया तो पूरी मेरिट लिस्ट, कैडर आवंटन और ट्रेनिंग प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इससे IAS और IPS समेत अन्य सेवाओं के कैडर आवंटन पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

केंद्र ने यह भी बताया कि फैसले का प्रभाव केंद्र सरकार की भर्तियों के अलावा 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही भर्ती प्रक्रियाओं पर पड़ सकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया भी प्रभावित होने की बात सरकार ने अदालत के सामने रखी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की चिंताओं को सुनने के बावजूद फिलहाल अपने आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब सभी पक्षों को 17 सितंबर तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। इसी दिन मामले की अगली सुनवाई होगी।

शादी के 24 साल बाद जन्मी थीं जुड़वां बेटियां, 3 महीने बाद मां ने ही पानी में डुबोकर ले ली जान; रूह कंपा देगी वजह

बेंगलुरु, (आरएनएस)। आईटी सिटी बेंगलुरु के पॉश वज्रहल्ली इलाके से मातृत्व को झकझोर देने वाली एक खौफनाक वारदात सामने आई है। शादी के 24 साल लंबे इंतजार और अनगिनत मन्नतों के बाद जिस घर में दो मासूम कलियों की किलकारियां गूंजी थीं, उसी घर में चंद हफ्तों बाद मातम पसर गया। 40 वर्षीय एक महिला ने अपनी महज 3 महीने की जुड़वां बच्चियों को कथित तौर पर पानी में डुबोकर मौत के घाट उतार दिया। मासूमों की सांसें छीनने के बाद मां ने खुद भी उसी कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की, हालांकि उसे बचा लिया गया। 24 साल का लंबा इंतजार और IVF से मिली थी दोहरी खुशीदक्षिणी बेंगलुरु के वज्रहल्ली निवासी 50 वर्षीय रियल एस्टेट व्यवसायी रामलिंगप्पा और उमादेवी का विवाह वर्ष 2002 में हुआ था। शादी के दो दशक से अधिक समय तक दोनों बेऔलाद रहे। इसके बाद दोनों ने आईवीएफ तकनीक का सहारा लिया। डॉक्टरों की कोशिश रंग लाई और 5 मई को उमादेवी ने दो जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। 24 साल बाद घर में एक साथ दो बेटियों के आगमन से पूरा परिवार खुशियों से झूम उठा था, लेकिन किसी को भनक तक नहीं थी कि यह खुशी ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है।

'इन्हें आश्रम भेज दो' प्रसव के डेढ़ महीने बाद ही बिगड़ने लगी थी मानसिक स्थिति

पुलिस पूछताछ में पति रामलिंगप्पा ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला है। डिलीवरी के करीब डेढ़ महीने बाद से ही उमादेवी के व्यवहार में भारी बदलाव आने लगा था। वह दोनों बच्चियों की देखभाल में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही थी और बार-बार परिवार से जिद करती थी कि बच्चियों को किसी आश्रम में छोड़ दिया जाए। महिला की इस असामान्य हरकत को देखकर परिजनों ने तुरंत मनोचिकित्सकों से संपर्क किया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया था कि उमादेवी प्रसव के बाद होने वाले गंभीर 'पोस्टपार्टम डिप्रेशन' और हार्मोनल बदलावों के भयंकर दौर से गुजर रही हैं।दरवाजा तोड़ते ही फंदे पर लटकी मिली मां, फर्श पर बेसुध पड़ी थीं मासूममंगलवार दोपहर रामलिंगप्पा किसी निजी काम से बाहर गए हुए थे। दोपहर करीब 2:45 बजे जब वह घर लौटे, तो अंदर से एक कमरे की कुंडी बंद मिली। काफी आवाज देने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला, तो उन्होंने आनन-फानन में दरवाजा तोड़ दिया।

इस्तीफे के 1 साल बाद भी बेघर हैं पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, नेता के फार्महाउस में रहने को मजबूर

नई दिल्ली (ए)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक पद छोड़ने के एक साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन वह अब तक अपने हक के सरकारी आवास से महरूम हैं। संवैधानिक नियमों के तहत पूर्व उपराष्ट्रपति को जीवनभर के लिए लुटियंस दिल्ली में सर्वसुविधायुक्त टाइप-8 बंगला मिलने का कानूनी अधिकार है। इसके बावजूद जगदीप धनखड़ को अब तक सरकार की तरफ से कोई सरकारी बंगला आवंटित नहीं हुआ है और वह एक निजी फार्महाउस में दिन गुजारने को मजबूर हैं। सामने आई जानकारी के मुताबिक, जगदीप धनखड़ फिलहाल दिल्ली के छतरपुर स्थित इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के नेता अभय सिंह चौटाला के निजी फार्महाउस में रह रहे हैं। पद छोड़ने के करीब छह हफ्ते बाद 1 सितंबर 2025 को वह इस फार्महाउस में शिफ्ट हुए थे। उस वक्त इसे महज कुछ दिनों की अस्थायी व्यवस्था माना जा रहा था, लेकिन पूरा एक साल बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस पूरे मसले पर धनखड़ के कार्यालय की ओर से भी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। उपराष्ट्रपति पेंशन और आवास नियमों के तहत पूर्व उपराष्ट्रपति को जीवनभर के लिए देश में अपनी पसंद के किसी भी शहर में बिना किसी किराए, बिजली और पानी के शुल्क के टाइप-8 श्रेणी का सुसज्जित सरकारी बंगला पाने का कानूनी हक है। यदि निर्धारित स्थान पर ऐसा बंगला उपलब्ध न हो, तो सरकार 2,000 वर्ग फुट का आवास लीज पर लेकर देने के लिए बाध्य होती है।

अनियंत्रित होकर पलटी बस, 16 यात्रियों की दर्दनाक मौत; 28 घायल

काहिरा (ए.)। मिस्र के दक्षिण सिनाई प्रांत में बुधवार को एक बस के पलट जाने से 16 लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने मिस्र के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी।'इजिप्ट टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा अल-सादा इलाके से पहले उस समय हुआ, जब बस दहाब-नुवेइबा मार्ग से नुवेइबा की ओर जा रही थी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही 20 एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। एंबुलेंस कर्मियों ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल पहुंचाया।मिस्र के स्वास्थ्य मंत्री खालिद अब्देल गफ्फार ने अधिकारियों को घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं, सामाजिक एकजुटता मंत्री माया मोर्सी ने हादसे से प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।मिस्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला नया नहीं है। अगस्त में इस्माइलिया प्रांत में कामगारों को ले जा रहे दो वाहनों की टक्कर में 18 लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे। 'अहराम ऑनलाइन' के अनुसार, यह हादसा अल-शबाब बिजली स्टेशन के पास अल-दवाविस लिंक रोड पर हुआ था। हादसे के बाद सुरक्षा बल और एंबुलेंस दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे थे। घायलों को इलाज के लिए कसासीन सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया था। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की थी। मिस्र में सड़क सुरक्षा एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। केंद्रीय एजेंसी फॉर पब्लिक मोबिलाइजेशन एंड स्टैटिस्टिक्स (सीएपीएमएएस) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या 10.8 प्रतिशत बढ़कर 5,829 हो गई। इसी अवधि में सड़क हादसों में घायल होने वालों की संख्या भी 10.7 प्रतिशत बढ़कर 84,553 हो गई। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सड़क दुर्घटनाओं के कारण सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं। इस आयु वर्ग में 1,580 बच्चों की मौत हुई, जबकि 29,101 बच्चे घायल हुए। दक्षिण सिनाई में ताजा हादसे ने मिस्र में सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शादी वाले घर पर अमेरिकी हमले से ईरान बौखलाया; बच्चे समेत 5 मौत, कुवैत-जॉर्डन पर पलटवार

तेहरान, (ए.)। ईरान ने अमेरिका पर दक्षिणी सिरिक काउंटी में एक शादी समारोह वाले घर पर बमबारी करने का आरोप लगाया है, जिसमें एक बच्चे समेत 5 लोगों की मौत हुई है। ईरानी रेड क्रिसेंट ने कहा कि अमेरिकी मिसाइल हमले के छर्रे कुहेस्ताक शहर में एक आवासीय घर पर उस समय गिरे, जब शादी समारोह चल रहा था। हमले में कम से कम 63 लोगों के घायल होने की खबर है। ईरान ने इसे 'क्रूर' हमला बताकर पलटवार किया है।

ईरानी सरकार ने हमले के बाद का वीडियो साझा किया है, जिसमें शादी समारोह स्थल पर मलबा और लोगों की चीखें सुनाई दे रही है।

इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में तुर्की ध्वज वाले 2 वाणिज्यिक जहाजों की टक्कर, 10 लापता

इस्तांबुल,(ए.)। तुर्की में इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में बुधवार को तुर्की ध्वज वाले दो वाणिज्यिक जहाजों के बीच टक्कर हो गई। हादसे के बाद एक जहाज और उसमें सवार चालक दल के 10 सदस्यों से संपर्क टूट गया। तुर्की अधिकारियों ने लापता चालक दल की तलाश के लिए व्यापक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। इस्तांबुल के राज्यपाल कार्यालय के अनुसार, दुर्घटना सिलिवरी जिले के तट के पास हुई। टक्कर 'अलसू' और 'तुगबेर्क इमामोग्लू' नामक दो जहाजों के बीच हुई। अलसू एजियन सागर के अलीआगा बंदरगाह की ओर जा रहा था, जबकि तुगबेर्क इमामोग्लू काला सागर स्थित करादेनिज एरेगली बंदरगाह की ओर रवाना था।राज्यपाल कार्यालय ने बताया कि टक्कर के बाद अलसू को कोई प्रत्यक्ष नुकसान नहीं हुआ है। वहीं, तुगबेर्क इमामोग्लू से संपर्क स्थापित नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही तुर्की तटरक्षक बल के जहाजों और हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजा गया।तटरक्षक बल और अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें समुद्री क्षेत्र में लापता जहाज तथा उसके चालक दल के सदस्यों की तलाश कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, अभी तक चालक दल के किसी सदस्य से संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। राज्यपाल कार्यालय ने बयान में कहा कि तुगबेर्क इमामोग्लू पर सवार 10 चालक दल के सदस्यों की तलाश के लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है। बचाव दल समुद्र के आसपास के क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं।हालांकि, दोनों जहाजों पर कुल कितने चालक दल के सदस्य सवार थे और उनकी राष्ट्रीयता क्या थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस्तांबुल समुद्री वाणिज्य मंडल के अनुसार, तुगबेर्क इमामोग्लू का स्वामित्व जेबे समुद्री परिवहन कंपनी के पास है, जबकि अलसू का संचालन ओजपुलाथाने समुद्री परिवहन कंपनी करती है।

जेलेंस्की की एयरलाइंस और बीमा कंपनियों को चेतावनी, कहा-रूस का हवाई क्षेत्र बढ़ता जा रहा असुरक्षित

कीव,(ए.) । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने रूस के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने वाली विमानन कंपनियों और

बीमा कंपनियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेनी ड्रोन की बढ़ती मौजूदगी के कारण रूसी हवाई क्षेत्र अब तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में रूस के प्रमुख हवाई अड्डों का इस्तेमाल करने वाली विमानन कंपनियों से सुरक्षा स्थिति को गंभीरता से लेने की अपील की।जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन किसी भी नागरिक विमान को निशाना बनाकर खतरा पैदा नहीं करना चाहता, लेकिन रूस के आसमान में बड़ी संख्या में ड्रोन की मौजूदगी ऐसी स्थिति पैदा कर रही है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यूक्रेन किसी निर्दोष व्यक्ति की जान नहीं चाहता और इसी वजह से अपने सहयोगियों तथा अन्य देशों को पहले से चेतावनी दे रहा है।यूक्रेनी राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि रूसी अधिकारी अपने नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हवाई क्षेत्र की वास्तविक स्थिति के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दे रहे हैं।

अमेरिका-ईरान में फिर बढ़ा तनाव, दोनों देशों ने एक दूसरे के ठिकानों को बनाया निशाना; ट्रंप ने दी चेतावनी

तेहरान/वॉशिंगटन(ए.)। मिडिल ईस्ट में एक बार फिर बड़े युद्ध का खतरा मंडराने लगा है। सितंबर की शुरुआत के साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बेहद गंभीर हो गया है। अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन ईरान के कई इलाकों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिका के हमलों का बदला लेने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए। उन्होंने धमकी दी कि यदि ईरान ने जवाबी कार्रवाई की तो अमेरिकी सेना पहले से कहीं ज्यादा बड़ा हमला करेगी। दूसरी ओर, तेहरान ने भी पलटवार करते हुए कहा है कि ईरान पर हमला करने के लिए अमेरिका और ट्रंप को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका के हमलों के जवाब में IRGC ने अरब देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले करने का दावा किया है। ईरान के अनुसार, जॉर्डन के प्रिंस

हसन एयर बेस को बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया गया। दावा है कि लंबी दूरी के क्रूज-4 और रूक-9 ड्रोन रखने वाले हैंगर पर मिसाइलें दागी गईं, जिससे ड्रोन नष्ट हो गए और कई अमेरिकी कर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है। ईरान ने यह भी दावा किया कि मफराक शहर में दागे गए कुछ रॉकेटों को इंटरसेप्ट कर दिया गया। हालांकि, मिसाइल हमले से हैंगर में आग लगने की बात सामने आई है, लेकिन अमेरिका या जॉर्डन की ओर से अभी तक हमले में हुए नुकसान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है।ईरान ने अमेरिका के हमलों के जवाब में कार्रवाई करने का दावा किया है। मंगलवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने केशम द्वीप, सिरिक, चाबहार बंदरगाह और बंदर अब्बास समेत कई इलाकों में हमले किए। जास्क और सिरिक में जोरदार धमाकों की खबर सामने आई, जबकि जिरोफ्ट में एक हवाई अड्डे को निशाना बनाए जाने का दावा किया गया। ईरानी दावों के अनुसार, होर्मोजगान प्रांत के सिरिक काउंटी के कुहेस्तक शहर में एक शादी समारोह के दौरान एक मिसाइल गिरने से आग लग गई। इसमें बच्चों समेत चार लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल होने की बात कही गई है। अमेरिकी हमलों में IRGC के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार सिस्टम, समुद्री माइन बिछाने की क्षमता और संचार केंद्रों को निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है।इससे पहले सोमवार को ईरान ने समुद्री खदानों के जरिए होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो टैंकरों को निशाना बनाया था।

रूस ने अमेरिका के खिलाफ गुप्त रूप से ईरान को सुपरसोनिक मिसाइलें बनाने में मदद की

मॉस्को (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच रूस पर ईरान के उन्नत मिसाइल कार्यक्रम को गुप्त रूप से तकनीकी सहयोग देने का आरोप लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने वर्ष 2023 से एक गुप्त कार्यक्रम के तहत ईरान को अत्याधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने में सहायता दी है। दावा है कि इस सहयोग का उद्देश्य ईरान की पश्चिम एशिया में अमेरिकी विमानवाहक पोतों और अन्य युद्धपोतों को निशाना बनाने की क्षमता बढ़ाना था। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने 'सी-430एल' नामक कार्यक्रम के माध्यम से ईरान के साथ मिसाइल तकनीक साझा की। इस कार्यक्रम में रूस के अनुभवी मिसाइल विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया था। विशेषज्ञों का मुख्य उद्देश्य ईरान को ऐसी रैमजेट प्रणोदन प्रणाली विकसित करने में सहायता करना था, जो क्रूज मिसाइलों को ध्वनि की गति से कई गुना अधिक गति प्रदान कर सके।

रैमजेट एक ऐसी वायु-श्वसन प्रणोदन प्रणाली है, जिसमें तेज गति से आगे बढ़ते समय वातावरण से हवा लेकर उसका उपयोग इंजन में ईंधन जलाने के लिए किया जाता है। इस तकनीक के माध्यम से मिसाइल को अत्यधिक गति से उड़ाने में मदद मिल सकती है।सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक गति और कम ऊंचाई पर उड़ान का संयोजन ऐसी मिसाइलों को पारंपरिक वायु रक्षा प्रणालियों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है।

फीचर

खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है लैवेंडर, इससे बनाएं ये 5 व्यंजन

लैवेंडर एक सुगंधित और औषधीय गुणों से भरपूर पौधा है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल अरोमाथेरेपी और त्वचा की देखभाल के उत्पादों में किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लैवेंडर को खाने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है? जी हां, लैवेंडर खाने में भी काफी उपयोग होने लगा है। इस लेख में हम आपको बताते हैं कि कैसे आप लैवेंडर को अपनी रसोई में शामिल कर सकते हैं और इससे क्या-क्या व्यंजन बना सकते हैं।

लैवेंडर की चाय

लैवेंडर की चाय एक बेहतरीन पेय है, जो आपको आराम और शांति प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए एक कप पानी में कुछ लैवेंडर के फूल डालें और उसे उबालें।

जब पानी हल्का नीला हो जाए तो इसे छानकर कप में डालें और इसमें शहद मिलाकर पिएं। यह चाय तनाव कम करने में मदद करती है और नींद लाने में भी सहायक है।

इसके नियमित सेवन से आपका मन शांत रहता है और आप ताजगी महसूस करते हैं।

लैवेंडर की आइसक्रीम

गर्मियों में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम कौन नहीं पसंद करता? अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो घर पर ही लैवेंडर की आइसक्रीम बना सकते हैं।

इसके लिए दूध, मलाई, चीनी और लैवेंडर का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर उबालें और ठंडा होने दें, फिर इसे जमने के लिए रख दें।

जब आइसक्रीम जम जाए तो इसे परोसें और इसका आनंद लें। यह आइसक्रीम न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

लैवेंडर का सिरका

सिरके का इस्तेमाल सलाद ड्रेसिंग और अन्य व्यंजन बनाने में किया जाता है। अगर आप सिरके में कुछ नया जोड़ना चाहते हैं तो लैवेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसके लिए सफेद सिरके में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे धूप में रखें, ताकि उसका स्वाद अच्छे से निकल आए। यह सिरका आपके व्यंजनों को एक अनोखा स्वाद देगा।

आप इस सिरके को सलाद ड्रेसिंग में, सॉस में या फिर किसी भी तरह की ग्रेवी में इस्तेमाल कर सकते हैं।

लैवेंडर का बिस्किट

बिस्किट बनाने के लिए मैदा, मक्खन, चीनी और सूखे लैवेंडर के फूलों का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आटा गूंथ लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ओवन में सेंक लें।

ये बिस्किट चाय या कॉफी के साथ बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आते हैं। इन बिस्किट को आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं या फिर किसी भी समय खा सकते हैं।

लैवेंडर का शहद

शहद अपने आप में एक सेहतमंद चीज है और अगर उसमें लैवेंडर मिल जाए तो उसका फायदा कई गुना बढ़ जाता है। इसे बनाने के लिए शहद में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे कुछ दिन धूप में रखें, ताकि उसका सुगंधित प्रभाव शहद में समा जाए।

इस तरह आप आसानी से अपनी रसोई में लैवेंडर को भी शामिल कर सकते हैं और इसका भरपूर लाभ भी उठा सकते हैं।

तारा सुतारिया का बोल्ड और विंटेज अवतार, लेपर्ड प्रिंट ड्रेस में दिए किलर पोज, इंटरनेट पर मचा बवाल

बॉलीवुड की स्टनिंग और ग्रेसफुल एक्ट्रेस तारा सुतारिया जब भी कैमरे के सामने आती हैं, अपने फैशन सेंस और कातिलाना अंदाज से लाइमलाइट चुरा लेती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

इस बार तारा ने 1990 के दशक के ओल्ड हॉलीवुड ग्लैमर और विंटेज स्टाइल को बेहद बोल्ड और मॉडर्न अंदाज में री-क्रिएट किया है। तस्वीरों में तारा टीएनए ब्रांड की लेपर्ड-प्रिंट वेलवेट बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं।

इस ऑफ-शोल्डर स्वीटहार्ट नेकलाइन वाली ड्रेस की फिटिंग तारा के कर्व्स और परफेक्ट फिगर को बेहतरीन तरीके से हाइलाइट कर रही है। वेलवेट फैब्रिक इस बोल्ड लेपर्ड प्रिंट को एक रॉयल और लक्जरी लुक दे रहा है।

आउटफिट को विंटेज टच देने के लिए तारा ने गले में पर्ल पेंडेंट वाला चंकी गोल्ड चोकर नेकलेस, विंटेज इयररिंग्स और हाथों में स्टेटमेंट रिंग्स कैरी की हैं।

तारा के लुक्स और मेकअप ने इस फोटो-शूट में चार चांद लगा दिए हैं। तारा ने अपने बालों को रेट्रो साइड-स्वीप्ड सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया है, जो क्लासिक हॉलीवुड एक्ट्रेसेस की याद दिलाता है।

विंग्ड आइलाइनर, शेडेड आई-शैडो, न्यूड-ब्राउन लिपस्टिक और परफेक्टली स्कल्प्टेड कंटूरिंग तारा के चेहरे के फीचर्स को बेहद अट्रैक्टिव बना रहे हैं। तारा सुतारिया की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही हैं और फैंस उनके इस वाइल्ड, बोल्ड और विंटेज अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

भोजपुरी सिनेमा को सिर्फ डबल मीनिंग गानों से जोड़ने पर मोनालिसा ने जताई नाराजगी, बोलीं- पूरी इंडस्ट्री को जज करना सही नहीं

मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने रीजनल इंडस्ट्री से निकलकर नेशनल टेलीविजन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। लंबे समय से भोजपुरी सिनेमा को लेकर ग्लैमर, डबल मीनिंग गानों और अश्लील कंटेंट की चर्चा होती रही है। इस लेकर मोनालिसा का मानना है कि कुछ गानों या म्यूजिक वीडियो के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों को लेकर राय बनाने वाले कई लोगों ने शायद असल में फिल्में देखी ही नहीं हैं। मोनालिसा ने कहा, मैं कई सालों से भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर इस तरह की बातें सुनती आ रही हूं। मुझे लगता है कि लोगों की सोच फिल्मों से ज्यादा उन म्यूजिक वीडियो की वजह से बनी है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल होते हैं और लाखों-करोड़ों व्यूज हासिल करते हैंऔर उसी के आधार पर वे पूरी इंडस्ट्री को जज करने लगते हैं। मोनालिसा ने कहा, हर भोजपुरी फिल्म को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है। एल्बम और म्यूजिक वीडियो में भले ही ग्लैमर या इस तरह का कंटेंट ज्यादा देखने को मिल सकता है, लेकिन फिल्मों की कहानी और उनका ट्रीटमेंट अलग होता है। भोजपुरी फिल्मों में अच्छे कलाकार हैं और हम लोग फिल्मों में पूरी ईमानदारी से अच्छा काम करते हैं।मोनालिसा ने इस दौरान देश में तेजी से आगे बढ़ रहे रीजनल सिनेमा पर भी बात की। उन्होंने कहा, अब सिर्फ हिंदी सिनेमा ही दर्शकों का ध्यान नहीं खींच रहा, बल्कि अलग-अलग राज्यों की फिल्म इंडस्ट्री भी लगातार मजबूत हो रही हैं।

अचानक छत से टपकने लगा है पानी? इन 5 बातों पर दें ध्यान

अगर अचानक से पानी छत पर टपकने लगे तो सबसे पहले आपको घबराने की जरूरत नहीं है। यह समस्या आमतौर पर बारिश के मौसम में होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि पाइपलाइन का टूटना, छत पर जमी गंदगी या फिर छत की खराब स्थिति। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत और सावधानियां बताते हैं, जो आपको इस समस्या को सही ढंग से समझने और समाधान निकालने में मदद कर सकते हैं।

पानी कहां से आ रहा है, इसका पता लगाएं

सबसे पहले यह पता लगाएं कि पानी कहां से आ रहा है। क्या यह पाइपलाइन के कारण है या फिर छत की खराब स्थिति के कारण हो रहा है।इसके लिए आपको छत के आसपास की दीवारों और फर्श को बारीकी से जांचना होगा।अगर दीवारों पर पानी के धब्बे हैं तो यह पाइपलाइन का मुद्दा हो सकता है, वहीं अगर फर्श पर गंदगी जमी हुई है तो यह छत की खराब स्थिति का संकेत हो सकता है।

पाइपलाइन की स्थिति जांचें

अगर पानी टपकने का कारण पाइपलाइन है तो इसकी स्थिति जांचना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको अपने घर की सभी पाइपलाइनों को बारीकी से देखना होगा।

अगर कोई पाइप टूटी हुई या ढीली हो तो उसे तुरंत ठीक

करवाएं या बदलें।

इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि पाइपलाइन में कोई रुकावट न हो और पानी आसानी से बह सके।अगर जरूरत पड़े तो एक अच्छे प्लंबर से संपर्क करें और उसे समस्या के बारे में बताएं।

छत की स्थिति देखें

छत की स्थिति भी इस समस्या का एक अहम कारण हो सकती है। अगर आपकी छत पुरानी या खराब हालत में है तो उसमें दरारें या छेद हो सकते हैं, जिनसे पानी टपक सकता है।इसके लिए आपको सबसे पहले इन दरारों और छेदों को ठीक करवाना होगा ताकि पानी का सही तरीके से निपटारा हो सके।आप चाहें तो इन दरारों और छेदों को भरने के लिए सीमेंट या अन्य सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

गंदगी का जमाव न होने दें

अगर आपकी छत पर गंदगी जमी हुई है तो यह भी पानी के टपकने का कारण बन सकती है। खासकर अगर यह गंदगी पत्तियों या मिट्टी जैसी भारी चीजों की हो तो इसे तुरंत साफ करें।इसके अलावा छत पर रखे पौधों की मिट्टी भी जांचें और अगर वह गीली हो तो उसे सुखाने की कोशिश करें।इससे पानी का जमाव नहीं होगा और आपकी छत सुरक्षित रहेगी। नियमित सफाई से भी इस समस्या से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञ की मदद लें

अगर इन सभी तरीकों से समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है तो विशेषज्ञ की मदद लेना सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है।

इसके लिए आप किसी अच्छे बिल्डर या मरम्मत करने वाले से संपर्क करें, जो आपकी समस्या को सही तरीके से समझ सके और उसका समाधान निकाल सके।

इससे न केवल आपकी समस्या जल्दी हल होगी बल्कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए आपको सही दिशा-निर्देश भी मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ के सिंधी संत एवं समाजसेवक 6 सितंबर को सलधा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द जी के साथ करेंगे बैठक

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एवं आसपास के अन्य जिलों के कुछ प्रमुख सिंधी संत एवं करीब सौ महिला व पुरुष समाज सेवक 6 सितंबर को बेमेतरा जिले के सलधा गांव में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज के साथ उनके चातुर्मास व्रत महोत्सव में बैठक करेंगे। बैठक में देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों पर आधारित धर्म का शासन स्थापित कर भारत को पुन: समूचे विश्व का कल्याण करने में समर्थ विश्वगुरु बनाने एवं इस अभियान में सिंधी समाज की कारगर भूमिका पर विचार किया जाएगा।

कीचड़ भरे रास्तों से नक्सल पीड़ितों के घर तक पहुंचे डॉ. प्रेमा साईं, बांटी मदद और जगाया भरोसा

बीजापुर, (आरएनएस)। बस्तर के घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में बारिश, कीचड़ और कठिन रास्तों के बीच मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उद्देश्य था—उनकी पीड़ा को करीब से समझना, उनका हालचाल जानना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना। यमपुर (पामेड़) से लेकर नेलाकांकेर तक की इस यात्रा में जहां एक ओर रास्ते की मुश्किलों ने परीक्षा ली, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवारों के चेहरों पर आई मुस्कान इस यात्रा की संवेदनशील तस्वीर बन गई।

यमपुर पहुंचने के दौरान बारिश और कीचड़ के कारण महाराज जी का काफ्लिा मुश्किल में फंस गया। एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जबकि काफ्लिे की एक अन्य गाड़ी खराब हो गई। इसके बावजूद यात्रा नहीं रोकी गई। कठिन परिस्थितियों के बीच महाराज जी ग्रामीणों के बीच पहुंचे और नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से मुलाकात की।

चार परिवारों तक पहुंचा सहयोग का संदेश

यमपुर और नेलाकांकेर की इस यात्रा में डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज ने कुल चार नक्सल पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। आर्थिक सहायता के साथ महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े तथा शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। वहीं तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा ने इस यात्रा को एक अलग मानवीय आयाम दिया। बारिश, कीचड़, खराब वाहन और दुर्गम रास्तों की चुनौतियों के बावजूद अंदरूनी गांवों तक पहुंची यह यात्रा इस बात का संदेश देती नजर आई कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को केवल राहत नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व, विश्वास और भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है।ग्रामीणों से बातचीत के दौरान डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्हें 'देव पुरुष' बताया।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिख रहा छत्तीसगढ़ : उपराष्ट्रपति

- एम्स रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रों को बांटे गए गोल्ड मेडल

रायपुर,(ए.)। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद, भय और अभाव के साये से निकलकर आज शांति, प्रगति और अवसरों के नए दौर में प्रवेश कर चुका है, जो क्षेत्र कभी हिंसा के लिए जाने जाते थे, वहां आज सड़कें, स्कूल, अस्पताल, कनेक्टिविटी और निवेश पहुंच रहे हैं। यह बात उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।उपराष्ट्रपति ने एम्स रायपुर को राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के ऐतिहासिक परिवर्तन का एक प्रमुख प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि, उन्नत स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा अनुसंधान और ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में संस्थान की उपलब्धियां सराहनीय हैं, जिनमें राज्य का पहला स्वैप किडनी ट्रांसप्लांट भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हृदय प्रत्यारोपण कार्यक्रम की मंजूरी एक और महत्वपूर्ण सफलता है। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने विभिन्न संकायों के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए

स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मध्य भारत के इस प्रतिष्ठित संस्थान में आयोजित समारोह में स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी), सुपर-स्पेशियलिटी, डॉक्टरेट और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों के कुल 689 विद्यार्थियों (376 छात्राएं और 313 छात्र) को डिग्रियां प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह के मुख्य आकर्षणों में से नो टू ड्रग्स (नशे को ना कहें) की शपथ भी शामिल रही, जिसके तहत उपस्थित सभी विद्यार्थियों को स्वयं नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और अपने साथियों व समाज में इसके दुष्प्रभावों व खतरों के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि, यह दीक्षांत समारोह केवल उत्सव का क्षण नहीं है बल्कि जिम्मेदारी का भी अवसर है। उन्होंने कहा, आज आपको आपकी डिग्रियां मिल रही हैं और कल आपको इससे कहीं अधिक मूल्यवान जिम्मेदारी सौंपी जाएगी- भारत की जनता का स्वास्थ्य, विश्वास और जीवन। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित रहे। वहीं, एम्स रायपुर की ओर से अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) संजीव हांडा तथा कार्यकारी निदेशक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल भी मंच पर मौजूद रहे।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर का 18वां स्थापना दिवस समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

रायपुर, (आरएनएस)। सैनिक स्कूल अंबिकापुर का 18वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में विद्यालय की 18 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों तथा कैडेटों की प्रतिभा को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे। इस अवसर पर सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल सहित संभाग एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर से हुआ। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। विद्यालय की 18 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में अतिथियों ने केक काटकर स्थापना दिवस मनाया। विद्यालय के प्राचार्य कर्नल राजेश बैंदा ने सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, खेलकूद गतिविधियों, सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों तथा कैडेटों के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी दी।समारोह में सैनिक स्कूल के कैडेटों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। स्वागत गीत, छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति पर आधारित लोकनृत्य, प्रेरणादायक मूक अभिनय, देशभक्ति से ओतप्रोत समूहगान तथा भगवान श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को भाव-विभोर किया।

शिव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया हलषष्ठी पर्व

जांजगीर चांपा, (ए.)। नगर के शिव मंदिर में हलषष्ठी का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मोहल्ले सहित आसपास की बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र हुईं और विधि-विधान से हलषष्ठी व्रत का पूजन किया।पूजन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को हलषष्ठी व्रत के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी गई और शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना कराई। व्रती माताओं ने पसहर चावल, छह प्रकार की भाजी, महुआ के पत्ते, कांस फूल सहित अन्य पूजन सामग्री से विधिवत पूजा की। महिलाओं ने तालाब का प्रतीकात्मक स्वरूप तैयार कर उसमें जल भरकर हलषष्ठी माता तथा भगवान शिव-पार्वती की आराधना की।पूजा के बाद महिलाओं ने हलषष्ठी व्रत की कथा का श्रवण किया। इस दौरान व्रती माताओं ने अपनी संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झीरम नरसंहार पर बघेल ने केवल राजनीति की : भाजपा

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की झीरम घाटी नरसंहार के प्रति कभी कोई वास्तविक संवेदना नहीं रही बघेल और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि बघेल पूरे 5 साल केवल जेब से पर्ची निकालकर सबूत जेब में होने का नाटक करते रहे, लेकिन कभी उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया।भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए और फ्रि सत्ता में आने के बाद बघेल लगातार कहते रहे कि झीरम घाटी हमले के सबूत उनकी जेब में हैं।

यूट्यूबर निकला बाइक चोर, पुलिस की घेराबंदी में फ्रार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, (आरएनएस)। रायगढ़ जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत पुलिस ने बाइक और मोबाइल चोरी के मामले में फ्रार चल रहे आरोपी विकास कुमार चौहान (29) को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले इसी प्रकरण में निगरानी बदमाश महेश पैंकरा पकड़ा जा चुका था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में की गई कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।29 जून 2026 को फुलीकुण्डा निवासी बसंत राठिया खाद लेने घरघोड़ा आया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक C G-13- U A-3703 जैन पंडा के घर के सामने खड़ी की थी। बाइक के हैंडल में टंगे झोले में रखा रेडमी मोबाइल भी वहीं था। कुछ देर बाद लौटने पर दोनों गायब मिले। शिकायत के आधार पर थाना घरघोड़ा में अपराध दर्ज कर जांच शुरू हुई। शुरुआती पड़ताल में महेश पैंकरा पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में अपने साथी विकास चौहान के साथ वारदात अंजाम देने की बात कबूल की।जांच के दौरान पुलिस ने सक्रिय मुखबिर तंत्र और तकनीकी निगरानी का सहारा लिया। चोरी की मोटरसाइकिल और करीब 20 हजार रुपये कीमत का रेडमी मोबाइल बरामद किया गया। फ्रार विकास चौहान की तलाश लगातार जारी रही। पुलिस को जानकारी मिली कि वह यू-ट्यूब चैनल संचालित करता है, जिसके आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। मुखबिर से सूचना मिलने पर चुहकीमार गांव में दबिश देकर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद विधिवत गिरफ्तारी की गई। पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू के नेतृत्व में प्रशिक्षु उपनिरीक्षक युगल मिश्रा तथा पुलिस टीम ने पूरी की।

खेल समाचार

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: गिल और बुमराह को नुकसान, देवदत्त पडिक्कल की बड़ी छलांग

दुबई, (ए.)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल बुधवार को जारी ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर नौवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के मैट हेनरी गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक लगाने वाले देवदत्त पडिक्कल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। वह पांच स्थान की छलांग लगाकर 54वें स्थान पर पहुंच गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भारतीय बल्लेबाजों में अब भी सबसे ऊंची रैंकिंग पर कायम हैं। पंत सातवें स्थान पर हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 11वें स्थान पर बरकरार हैं।हाल ही में समाप्त हुई भारत-श्रीलंका टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले श्रीलंका के सोनल दिनुषा दो शतकों की बदौलत करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। अपने पहले पांच टेस्ट में उनका बल्लेबाजी औसत 86.57 रहा है।भारतीय टीम के ध्रुव जुरेल ने नाबाद

115 रन की पारी के दम पर 83वें से 65वें स्थान पर छलांग लगाई। श्रीलंका के पसिंदु सोरियाबंडारा ने अपने दूसरे ही टेस्ट में 80 और 92 रन बनाए, जिससे वह 170 स्थान ऊपर उठकर 74वें स्थान पर पहुंच गए। कामिंदु मेंडिस भी दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के बाद फिर से शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं।

गेंदबाजों में श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो चार स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्पिनर मानव सुथार ने भी चार स्थान की छलांग लगाकर 44वां स्थान हासिल किया, जबकि मोहम्मद सिराज एक स्थान ऊपर उठकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रॉबिन्सन और टंग की भी शानदार उछाल

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।दोनों टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे रॉबिन्सन ने प्रत्येक पारी में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल आठ विकेट लेकर 35 रन दिए। वह छह स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रृंखला शुरू होने के बाद से वह 22 स्थान ऊपर चढ़ चुके हैं।टंग ने मैच में पांच विकेट लेकर चार स्थान की छलांग लगाई और करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग हासिल की। श्रृंखला के दौरान उनकी रैंकिंग में 20 स्थान का सुधार हुआ है।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने भी लगातार अच्छे प्रदर्शन का फायदा उठाया है। एक मैच में नौ विकेट लेने के बाद वह 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के सऊद शकील को भी बड़ा फायदा हुआ है। दूसरी पारी में 97 रन की उनकी पारी से वह 15 स्थान ऊपर उठकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। वह अब अपने देश के कप्तान बाबर आजम के बाद दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। बाबर पांच स्थान फिसलकर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

यूएस ओपन : मोनफिल्स ने ओपनर में जीत के साथ 40वां जन्मदिन मनाया

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। गेल मोनफिल्स ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने वैलेजो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराकर यूएस ओपन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज की। ओवर ऑल यूएस ओपन में उनकी यह 34वीं जीत थी। इस जीत के साथ उनका 40वां जन्मदिन यादगार बन गया। यूएस ओपन के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 50 सालों में यूएस ओपन में मैच जीतने वाले 40 या उससे ज्यादा उम्र के मोनफिल्स तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1977 में दो बार के यूएस ओपन एकल चैंपियन केन रोजवॉल, 42, और 1992 में पांच बार के यूएस ओपन एकल चैंपियन जिमी कॉनर्स, 40, ने यह कारनामा किया था। मोनफिल्स ने कहा, विशेष नंबर, 40, और अच्छा मैच खेलना, यह स्पेशल था। मुझे लगता है कि मेरा सबसे अच्छा जन्मदिन था। मुझे याद नहीं है, लेकिन यह मेरे परिवार के साथ था। वह निश्चित रूप से सबसे अच्छा था।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 6 ने सीजन की शुरुआत में घोषणा की थी कि रिटायरमेंट से पहले 2026 उनका आखिरी टूर होगा, फिर भी मिक्स्ड डबल्स इवेंट के दौरान न्यूयॉर्क की भीड़ द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद उन्होंने पत्नी एलिना स्वितोलिना के साथ खेला।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के अंदर मोनफिल्स को चीयर करने वालों में उनकी पत्नी, डब्ल्यूटीए स्टार स्वितोलिना भी थीं। पिछले सप्ताह इस कपल ने मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम बनाई थी, और स्वितोलिना मोनफिल्स के माइलस्टोन बर्थडे पर उन्हें सपोर्ट करने के लिए स्टैंड में वापस आई थीं।

पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में पहले नंबर 6 पर रहे मोनफिल्स का अगला मुकाबला दूसरे राउंड में लर्नर टिएन से होगा। 20 साल के अमेरिकन खिलाड़ी ने अपनी पिछली एकमात्र एटीपी हेड टू हेड मीटिंग जीती थी, जिसमें उन्होंने पिछले महीने मॉन्ट्रियल में तीन सेट जीते थे, जिसके बाद टिएन ने मोनफिल्स से सिग्नेचर के लिए कहा था।

चाइना मास्टर्स : लक्ष्य सेन का सफर समाप्त, राउंड ऑफ 32 में विक्टर लाई से हारे

शेन्जेन (ए.)। लक्ष्य सेन का चाइना मास्टर्स कैंपेन बुधवार को समाप्त हो गया। भारतीय शटलर राउंड ऑफ 32 में कनाडा के विक्टर लाई से सीधे गेम में हार गए। सेन को शेन्जेन एरिना में 2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर लाई से 14-21, 7-21 से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। यह भारतीय खिलाड़ी की कनाडाई खिलाड़ी से करियर के चौथे मुकाबले में तीसरी हार थी। इस साल सेन पर लाई की यह तीसरी जीत थी। कनाडाई खिलाड़ी ने थॉमस कप और जुलाई में चाइना ओपन के राउंड ऑफ 16 में भारतीय खिलाड़ी को हराया था। लाई पर सेन की एकमात्र जीत मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन सेमीफाइनल में तीन गेम का मुश्किल मैच था, जिसे सेन ने 21-16, 18-21, 21-15 से जीता था।

दलीप ट्रॉफी: तिलक वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से साउथ जोन फाइनल में, नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया

बेंगलुरु,(ए.)। कप्तान तिलक वर्मा की लगातार दूसरी शानदार पारी और एमडी नितीश की घातक गेंदबाजी के दम पर बुधवार को साउथ जोन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। साउथ जोन ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 में खेले गए सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन को सात विकेट से हराया। पहली पारी में शतक जड़ने वाले तिलक ने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं, एमडी नितीश ने पांच विकेट लेकर नॉर्थ जोन की दूसरी पारी को 297 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई।नॉर्थ जोन ने बुधवार को सात विकेट पर 256 रन से आगे खेलना शुरू किया था। उसके पास 139 रनों की बढ़त थी। अंशुल कंबोज और निशांत सिंधु ने आठवें विकेट के लिए साझेदारी को 60 रन तक पहुंचाया लेकिन नितीश ने कंबोज को 36 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह ने एक-एक छक्का लगाया लेकिन नितीश ने दोनों को पवेलियन भेज दिया और पांच विकेट पूरे किए। नॉर्थ जोन की पूरी टीम 297 रन पर सिमट गई और निशांत सिंधु 35 रन बनाकर नाबाद रहे।साउथ जोन को जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य मिला। रिकी भुई और नारायण जगदीशन ने 64 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। भुई ने 53 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 42 रन बनाए लेकिन गुरनूर बराड़ ने उन्हें आउट कर दिया।

यूएस ओपन : एलेक्जेंड्रा ईला ने मैरी स्टोयाना पर जीत दर्ज कर दूसरे राउंड में पहुंचाई

न्यूयॉर्क (ए.)। एलेक्जेंड्रा ईला ने यूएस ओपन 2026 की शुरुआत जीत के साथ की है। ईला ने अपने पहले मैच में अमेरिकी क्वालीफायर मैरी स्टोयाना पर जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई। नंबर 17 सीड, ईला ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने दो ब्रेक पॉइंट बचाते हुए, एक खराब पहला सर्विस गेम खेला। ऐसा लग रहा था कि ईला को मैच में अपनी पकड़ बनाने के लिए बस इन्हीं प्रेशर पॉइंट्स की जरूरत थी, और उसने पहला सेट 6-1 से जीतने से पहले 5-0 की बढ़त बना ली, जिसमें उसने अपने 84 प्रतिशत फर्स्ट-सर्विस पॉइंट्स जीते। स्टोयाना ने दूसरे सेट के ईला के पहले सर्विस गेम में दो ब्रेकपॉइंट के मौके बनाए। हालांकि, ईला ने नियंत्रण बनाए रखा और पेडल को मेटल पर रखा।

सीपीएल 2026 : क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स (आरएनएस)। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए।

218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली।

तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली।

नर्मदापुरम में शुरू हुआ 'डिजिटल लेबर चौक' एप, अब मोबाइल पर मिलेगा काम

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में निर्माण एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को रोजगार से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से प्रशासन ने डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप की शुरुआत की है। इस एप के माध्यम से श्रमिक अपनी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार की तलाश कर सकेंगे, जबकि नियोक्ता एवं ठेकेदार अपनी आवश्यकता के अनुसार श्रमिक, कार्यस्थल एवं मजदूरी से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकेंगे। डिजिटल लेबर चौक एप में श्रमिकों एवं नियोक्ताओं के लिए पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। नियोक्ता की पहचान लाइसेंस अथवा आइडी के माध्यम से सत्यापित होगी। कार्य पूर्ण होने के बाद श्रमिक एवं नियोक्ता दोनों के लिए रेटिंग एवं फीडबैक की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे रोजगार व्यवस्था में पारदर्शिता एवं कार्य की गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा। श्रम निरीक्षक श्रीमती ज्योति पी.ए. ने अपील की है कि जिले के श्रमिक एवं नियोक्ता डिजिटल लेबर चौक एप पर अपना पंजीयन अवश्य कराएं।

संसदीय क्षेत्र की रेलवे सुविधाओं और आवश्यक ट्रेनों के स्टापेज के विषय रखे

नागपुर भुसावल मंडल डिवीजन की बार्षिक बैठक हुई

नर्मदापुरम। डोलरिया (निप्र)। नागपुर भुसावल मंडल की नागपुर डिवीजन की सांसदो की बार्षिक बैठक में क्षेत्रीय सांसद दर्शन सिंह चौधरी के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत ने इस महत्वपूर्ण बैठक में मध्य रेल के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित बैठक में नर्मदापुरम नरसिंहपुर क्षेत्र की रेलवे एवं यात्री सुविधाओं एवं ट्रेनों के ठहराव एवं नवीन ट्रेनों के संचालन के विषय प्रमुखता से रखे। जिनमें प्रमुख रूप से हरिद्वार एलटीटी 12171-12172 एक्सप्रेस के इटारसी में ठहरावप्लेटफार्म क्रमांक 2 एवं 3 की सीडियो का चौड़ीकारण कार्य इटारसी जंक्शन के सभी प्लेटफार्म पर लिफ्ट एवं एक्सीलरेटर व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ करने, इटारसी माल गोदाम के अविलंब विस्थापन करने बानापुरा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने माल गोदाम को अन्यत्र शिफ्ट करने बंद आरपीएफ चौकी को पुन: प्रारंभ करने एवं भुसावल-नागपुर वाया इटारसी इंटरसिटी एक्सप्रेस पुष्पक एवं कामायनी ट्रेन के बानापुरा स्टेशन पर अविलंब ठहराव का मुद्दा प्रमुखता से बैठक में रखा। अमृत भारत स्टेशन अंतर्गत निर्माणाधीन नरसिंहपुर गाडरवारा, करेली, पिपरिया इटारसी एवं सिवनी मालवा मैं धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर आधुनिक सुविधाओं और सौन्दर्यीकरण प्रवेश एवं निर्गम द्वार सभी स्टेशनों पर प्रतीक्षालय शौचालय और पेयजल व्यवस्था की पर्याप्त एवं उचित व्यवस्था करने का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा।जुझारपुर में निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य में गति लाने पर भी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया। उक्त बैठक में बैतूल सांसद दुर्गादास उइके खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल अमरावती सांसद अनिल भोंडे छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू सांसद श्याम कुमार बर्डे सांसद श्रीमती प्रतिभा संजय, सांसद अनूप संजय धोटे सहित अन्य सांसदों की गरिमामय उपस्थिति रही। रेलवे विभाग की ओर से मंडल रेल प्रबंधक नागपुर मंडल रेल प्रबंधक भुसावल वाणिज्य एवं आरपीएफ एवं सीआरपी सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियान

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों को अभियान की तैयारियां प्रारंभ करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के सफल आयोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। कलेक्टर ने समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं।

चेन्नई प्रवास के दौरान सांसद माया नारोलिया ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय से की शिष्टाचार भेंट; समसामयिक व विकासपरक विषयों पर हुई चर्चा

संसदीय अध्ययन दौरे के मध्य तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय से मिलीं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया; अंतर-राज्यीय समन्वय व विकास योजनाओं पर हुआ संवाद

नर्मदापुरम (निप्र)। संसदीय स्थायी समिति के आधिकारिक अध्ययन दौरे पर चेन्नई प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय (सी. जोसेफ विजय) से शिष्टाचार भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई इस भेंट के दौरान दोनों नेताओं एवं संसदीय समिति के सदस्यगणों के मध्य विभिन्न समसामयिक, जनहितैषी एवं विकासपरक विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।भेंट के उपरांत राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि संसदीय स्थायी समितियों के अंतर-राज्यीय अध्ययन दौरे देश के विभिन्न अंचलों में संचालित विकास कार्यों, नीतिगत पहलों तथा क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को धरातल पर समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दौरों से प्राप्त प्रत्यक्ष अनुभवों, सकारात्मक कार्यप्रणालियों और सुझावों को संसदीय चर्चाओं तथा विधायी प्रक्रियाओं में समाहित कर राष्ट्रीय विकास को अधिक गति दी जा सकती है।

सांसद नारोलिया ने संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में केंद्र और राज्यों के मध्य सतत संवाद तथा सहयोगात्मक संघवाद की भावना ही सर्वांगीण प्रगति का आधार है। भेंट के दौरान क्षेत्र के विकास से जुड़ी विविध कार्ययोजनाओं पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण साझा किया गया।

भगवान बलराम जन्मोत्सव एवं रक्षाबंधन कार्यक्रम हर्ष उल्लास से मनाया

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने किया कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला नर्मदापुरम के तत्वाधान में भगवान बलराम जन्म उत्सव एवं रक्षाबंधन कार्यक्रम हर्ष उल्लास से मनाया। नर्मदापुरम हनुमान जी के मंदिर में बड़े हर्ष के साथ भगवान बलराम जी का जन्म उत्सव पूजन अर्चना कर मनाया गया। साथ ही रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बंद कर महासंघ के सभी दायित्व वान पदाधिकारी की लंबी आयु की दुआएं मांगी मां नर्मदा के पावन तट पर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती गीता मीणा के मार्गदर्शन में सभी बहनों ने पवित्र रक्षाबंधन के त्योहार मनाया। बलराम जयंती के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश शासन को ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपा गया। जिसमें किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लिया गया था। इस अवसर पर महासंघ के प्रदेश मंत्री रमाकांत मीणा प्रदेश महिला विंग अध्यक्ष श्रीमती गीता मीणा प्रदेश संयोजीका श्रीमती निर्मला तोमर श्रीमती विद्यावती दीदी पचमढ़ी मध्य भारत प्रांतीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह उपाध्यक्ष जितेंद्र भार्गव एप्रांतीय मंत्री विनोद चौरसिया संभागीय उपाध्यक्ष केसरी सिंह पटेल जिला अध्यक्ष शिवराज राजोरिया जिला मंत्री अजय दुबे एजिला संयोजक चंद्रकांत मीणा जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा ब्लॉक

अध्यक्ष बनखेड़ी नीरज पटेल ब्लॉक अध्यक्ष नर्मदापुरम अखिलेश मीना ब्लॉक अध्यक्ष माखन नगर कमल चौहान एवं समस्त जिले के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

पुत्रवती महिलाओं ने की हरछट माता की पूजन

पुत्रों की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

रश्मि गौड़

डोलरिया। नर्मदापुरम। प्राचीन मान्यताओं के चलते भादों मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठि तिथि पर पुत्रवती महिलाओं ने हरछट माता की पूजन अर्चन की। हरछठ पूजा का यह त्योहार भादों कृष्ण पक्ष की छठ को मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन श्री कृष्ण के बड़े भाई बलरामजी का जन्म हुआ था। यह व्रत केवल पुत्रवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में पेड़ों के फल बिना बोया अनाज आदि के सेवन का विधान है। इस व्रत की यह विशेषता है कि इसमें भैंस का दूध ही लिया जाता है। पुत्रों की दीर्घायु और उनकी सम्पन्नता के लिए महिलाएं कठिन व्रत करती हैं। इस व्रत में महिलाएं अपने पुत्रों के हिसाब से छह दोने में सतबिर्री अर्थात सात प्रकार के भुने हुए अनाज का भोग लगाती हैं। पूजन के लिए छोटी कांटेदार झाड़ी की एक शाखा, पलाश की एक शाखा एक प्रकार की लता, की एक शाखा को भूमि या किसी मिटटी के गमले में गाड़ कर पूजन किया जाता है। महिलाएं पड़िया वाली भैंस के दूध से बने दही और महुवा के सूखे फूल, को पलाश के पत्ते पर खाकर व्रत का समापन करतीं हैं।इस व्रत के संबंध में श्रीमती रश्मि शर्मा और राजवाला गौड़ ने बताया कि भगवान बलराम ने माता देवकी और वासुदेव जी के यहां पर सातवी संतान के रूप में जन्म लिया था। हल षष्ठी का त्योहार भगवान बलराम की जयंती के रूप में मनाया जाता है। रक्षा बंधन और श्रावण पूर्णिमा के छह दिनों के बाद बलराम जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसे राजस्थान जैसे अन्य राज्यों में विभिन्न नामों से जाना जाता है। इसे गुजरात में चंद्र षष्ठी के रूप में जाना जाता है, और ब्रज क्षेत्र में बलदेव छठ को रंधन छठ के रूप में जाना जाता है। भगवान बलराम को शेषनाग के अवतार के रूप में पूजा जाता है, जो क्षीर सागर में भगवान विष्णु के हमेशा साथ रहिने वाली शैया के रूप में जाने जाते हैं। श्रीमती राधा रावत ने बताया कि जिन महिलाओं के पुत्र हैं वहीं महिलाएं इस व्रत को करती है। अपनी दीवाल में हरछट माता की आकृति बनाकर उसके नीचे बैर की झाड़ियों या कांस के पौधे रखे जाते हैं। वहीं सात प्रकार के अनाज को भून कर भोग लगाया जाता है। इससे पुत्र की दीर्घायु होती है। कुछ माताएं अपने पुत्रों को राखी बांधकर शुभकामनाएं भी देती हैं। इस प्रकार यह व्रत बहुत ही श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाता है।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के नगर अध्यक्षों की नियुक्तियां हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा मण्प्र के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष बलवीर यादव प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव की मंशानुसरा यादव समाज की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए संस्कृतिक प्रदेश अध्यक्ष मुकेश यादव की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष राजेंद्र यादव द्वारा नवनियुक्त नगर अध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं। जिसमें नर्मदापुरम मनीष यादव, सिवनीमालवा केशव यादव, इटारसी राजू यादव, माखन नगर सुरेश यादव, पिपरिया छोटू भैया गणेश यादव, बनखेड़ी सुनील यादव, सोहागपुर नीरज यादव, पचमढ़ी गोविंद यादव, डोलरिया उमा शंकर यादव की नियुक्ति की गई यादव समाज वरिष्ठ जनों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर पहले दिन भजन कीर्तन प्रतियोगिताएं

दूसरे दिन श्री कृष्ण लीला व पुरस्कार वितरण होगा

नर्मदापुरम (निप्र)। पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव समारोह समिति द्वारा केसरिया गार्डन में जन्माष्टमी के पावन पर्व पर अनेक धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। आयोजन समिति के तुकाराम यादवेश ने बताया कि महिला भजन मंडलों द्वारा 3 सितंबर 2026 गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक एवं रात्रि में पुरुष भजन मंडलों द्वारा भजनों की प्रस्तुत होगी। तथा प्रतियोगिता प्रत्येक स्तर पर दो दो पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम एवं द्वितीय कक्षा पांचवी से दसवीं तक कक्षा नौवीं से 12वीं तक । जिसका विषय. भागवत कथा प्रश्न समय 2 बजे से 4 बजे तक। चित्रकला-4 बजे से 5 बजे तक। तथा रंगोली प्रतियोगिता शाम 5 से 6 बजे तक रहेगी। केवल ग्वाल समाज की प्रतिभाएं नर्मदापुरम् के छात्र-छात्राएं जो सर्वाधिक अंक पाने वाले बोर्ड परीक्षा 2026 में कक्षा 8 वीं, 10 वीं, एवं 12 वीं, तथा खेलकूद में जो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त किया 2025 एवं 2026 में प्रतिभागी अपनी.अपनी अंक सूची एवं प्रमाण पत्र ओरिजिनल दिखाकर छाया प्रति आवश्यक रूप से जमा करना।

दूसरे दिन होगी लीला

दूसरे दिन 04 सितंबर शुक्रवार सुबह 9.30 बजे से लीला मंचन कार्यक्रम होगा जिसमें संगीतकार दूरदर्शन कलाकार पं ओपी शर्मा, आनंद नामदेव एवं दिनेश मालवीय आदि संगीत की प्रस्तुति देंगे। भगवान शंकर श्री कृष्ण बाल स्वरूप के दर्शन हेतु नंद भवन में पधारेंगे। इस में अनेक नन्हे. मुन्ने, बाल कलाकारों द्वारा लीला का मंचन किया जाएगा। इसके पश्चात प्रतिभा सम्मान खिलाड़ी सम्मान एवं प्रतियोगी कलाकारों को मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कार वितरण के पश्चात प्रसाद वितरण होगा।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव लीला मंचन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि इस धार्मिक कार्यक्रम में जरूर पधारें और धर्म लाभ लें।

बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल, 85 बालिकाओं को मिला लर्निंग लाइसेंस

मिशन शक्ति अंतर्गत 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत पिंक लाइसेंस ड्राइव शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत बुधवार को शासकीय गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय, नर्मदापुरम में बालिकाओं को नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए जाने हेतु पिंक लाइसेंस ड्राइव शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 85 बालिकाओं का लर्निंग लाइसेंस हेतु पंजीयन कर उन्हें लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संजय कुमार जैन, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रमोद कापसे, शासकीय गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संगीता अहिरवार, प्राध्यापक श्रीमती हर्षा चाचाने सहित महाविद्यालय की बालिकाएं उपस्थित रहीं।संभागीय संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने बालिकाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उनके समग्र कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के साथ स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले को मिले 104 नए प्राथमिक शिक्षक, 7 सितंबर तक चलेगी जॉइनिंग और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया

नर्मदापुरम (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से जिले को 104 प्राथमिक शिक्षकों की सौगात मिली है। संचालनालय द्वारा जिले में पदस्थापना हेतु नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार शासन स्तर से जिले में 100 प्राथमिक शिक्षक और 4 प्राथमिक शिक्षक विशेष शिक्षा के नियुक्ति आदेश जारी हुए हैं। जिले के 6 विकासखंडों में इन शिक्षकों की पदस्थापना की गई है।जिला कार्यालय में इन शिक्षकों की जॉइनिंग प्रक्रिया 1 सितंबर से 7 सितंबर तक जारी रहेगी। जिला कार्यालय में दस्तावेजों के सत्यापन के बाद तत्काल ही शिक्षकों को नियुक्ति संस्था के लिए कार्यमुक्त किया जा रहा है, ताकि वे समय पर स्कूलों में अपनी उपस्थिति दे सकें। 1 सितंबर को 35 शिक्षकों ने जिला कार्यालय में ज्वाइन कर अपने आवंटित स्कूलों में उपस्थिति दी, जबकि 2 सितंबर को 48 शिक्षकों द्वारा ज्वाइनिंग की गई।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत पिपरिया में 3 सितंबर को कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित होगा शिविर

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत 3 सितंबर 2026 को पिपरिया की कृषि उपज मंडी प्रांगण में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर के दौरान उद्यम संवाद एवं इनफ्लुएंसर संवाद का आयोजन भी किया जाएगा। इन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से संबंधित विषयों पर नागरिकों एवं हितधारकों से संवाद कर उन्हें शासन की योजनाओं एवं उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी जाएगी।आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। जो नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उनकी पात्रता के संबंध में भी जानकारी देंगे। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का लाभ उठाएं तथा अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं की जानकारी ले।

नर्मदापुरम में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर BLO-सुपरवाइजर की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 137 होशंगाबाद में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त आगामी पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंकित मौर्य ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध और त्रुटिहीन बनाया जाना है। पुनरीक्षण का कार्य समय-सीमा के भीतर पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। बैठक के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण फॉर्मों पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी सुपरवाइजरों को निर्देश दिए गए कि वे अपने अधीन आने वाले सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन रिपोर्ट कार्यालय में जमा करें। बैठक में प्रोग्रामर जितेन्द्र यादव द्वारा सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में फॉर्म 6, 7, 8 और आयोग के दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में फॉर्म 6 - नया नाम जोड़ना: जिन नागरिकों की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। नाम एवं जन्मतिथि के प्रमाणीकरण हेतु अंकसूची, पैन कार्ड, टी.सी., जन्म प्रमाण-पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, किसी भी स्कूल द्वारा जारी फोटो सत्यापित जन्मतिथि प्रमाण-पत्र में से कोई एक दस्तावेज, तथा पते के प्रमाण हेतु राशन कार्ड, बिजली बिल, टेलीफोन बिल, गैस बिल, स्वयं की बैंक पासबुक, मकान की रजिस्ट्री, समग्र आईडी में से कोई एक दस्तावेज मान्य होगा। फॉर्म 7 - नाम हटाना: मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम नियमानुसार सूची से हटाने की प्रक्रिया समझाई गई। तथा फॉर्म 8 - संशोधन व स्थानांतरण: मतदाता पहचान पत्र में किसी भी प्रकार के सुधार जैसे नाम, आयु, पता या निर्वाचन क्षेत्र के भीतर स्थानांतरण के मामलों को गंभीरता से दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं पदेन वनसंरक्षक
छिंदवाड़ा वनवृत्त, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश-480001
Email: ccf.cdw@mp.gov.org Tel./Fax No. 07162-245470

ईमारती काष्ठ के परिवहन हेतु संक्षिप्त निविदा/नीलाम सूचना की विज्ञप्ति वर्ष 2026-27

--oo--

छिंदवाड़ा वनवृत्त के अन्तर्गत वर्ष 2026-27 में पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिंदवाड़ा में उत्पादित ईमारती काष्ठ को निर्धारित डिपों तक परिवहन हेतु परिवहन समूहों की निविदाएं वनवृत्त कार्यालय छिंदवाड़ा में निम्न तिथियों में मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्राप्त निविदाएं वनवृत्त कार्यालय में निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

निविदा क्रम	वनवृत्त कार्यालय छिंदवाड़ा में निविदा प्राप्त करने की तिथि व समय	खुलने की तिथि एवं समय	स्थान
प्रथम निविदा	16.09.2026 - 14.00 बजे तक	दिनांक 16.09.2026-15.00 बजे तक	संवाद सदन वनवृत्त कार्यालय छिंदवाड़ा
द्वितीय निविदा	23.09.2026- 14.00 बजे तक	दिनांक 23.09.2026-15.00 बजे तक	
तृतीय निविदा	30.09.2026- 14.00 बजे तक	दिनांक 30.09.2026- 15.00 बजे तक	

दिनांक 30.09.2026 को तृतीय चक्र की निविदा खुलने के पश्चात् शेष बचे परिवहन समूहों का निर्वतन दिनांक 30.09.2026 को दोपहर 04.00 बजे से वनवृत्त कार्यालय छिंदवाड़ा में नीलाम द्वारा निर्वतन किया जावेगा। नीलामी की शर्तें निविदा शर्तों के अनुरूप रहेगी।

निविदा की विस्तृत शर्तें, परिवहन समूहों की सूची, टेण्डर फार्म एवं अन्य जानकारी संबंधित उत्पादन वनमंडल छिंदवाड़ा कार्यालय में कार्यालयीन दिवस व समय में प्राप्त की जा सकती है। परिवहन समूहों की विस्तृत जानकारी तथा निविदा फार्म विभागीय वेबसाइट (www.mpforest.gov.in) पर उपलब्ध है। टेंडर फार्म वेबसाइट से सीधे डाउनलोड कर रूपये 100/- डिमाण्ड ड्राफ्ट/सी.डी.आर. जो संबंधित वनमंडलाधिकारी (उत्पादन) छिंदवाडा वनमंडल के नाम देय होगा, जमा करना होगा। निविदा प्राप्त होने पर निविदाकार द्वारा सभी शर्तो का अध्ययन किया गया व निविदा की सभी शर्तें मान्य है।

निविदा/नीलाम के संबंध में अन्य जानकारी उत्पादन वनमंडल छिंदवाड़ा के कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07162-243460 से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइट www.mpforest.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

(मधु व्ही. राज)
वन संरक्षक
छिन्दवाड़ा वनवृत्त

जी/18055/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com